गोरखपुर से प्रकाशित
RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक
स्वदेशी इनक्रेडिबल

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in
सिर्फ सच के साथ...

वर्ष : 03 अंक: 23 | गोरखपुर रविवार 30 नवम्बर 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

युद्ध का मैदान भी हमारे लिए धर्मक्षेत्र

योगी ने कहा, जहां धर्म व कर्तव्य होगा वहीं जय होनी है

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि युद्ध का मैदान भी हमारे लिए धर्मक्षेत्र है और जहां धर्म व कर्तव्य होगा, वहीं जय होनी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत की उपस्थिति में रविवार को यहां जनेश्वर मिश्र पार्क में आयोजित दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, पूरे भारत को हमने धर्मक्षेत्र माना, इसलिए युद्ध का मैदान भी हमारे लिए धर्मक्षेत्र ही है। मुख्यमंत्री ने कहा, कर्तव्यों से जुड़ा क्षेत्र है और धर्मक्षेत्र में जो युद्ध लड़ा जा रहा है, वह कर्तव्यों के लिए लड़ा जा रहा है। यही भाव सामने आता है तो अंत में परिणाम यह होता है कि जहां धर्म और कर्तव्य होगा, वहीं विजय होगी, इससे इतर कुछ नहीं हो सकता। योगी आदित्यनाथ ने कहा, किसी को गुरुर नहीं पालना चाहिए कि अधर्म के मार्ग पर चलकर विजय प्राप्त हो जाएगी। यह भारत के सनातन धर्म की परंपरा है कि प्रकृति का अटूट नियम है, सदैव से यही होता आया है। इसलिए हमें हमेशा यह ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा, दुनिया के अंदर कोई जगह नहीं होगी, जहां युद्ध का मैदान धर्मक्षेत्र के रूप में जाना जाता हो, लेकिन हमारे यहां हर कर्तव्य को पवित्र भाव से माना गया है। मुख्यमंत्री ने नसीहत देते हुए कहा, अच्छा करेंगे तो पुण्य के भागीदार बनेंगे और बुरा करेंगे तो पाप के भागीदार बनेंगे। ऐसा जब हर धर्मावलंबी सोचता है तो वह अच्छा करने का प्रयास करता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा, भारत ने विश्व मानवता को प्राचीन काल से संदेश दिया है। हमने कभी यह नहीं कहा कि हम जो कह रहे वही सही है, हमारी ही उपासना विधि सर्वोत्तम है। हमने सब कुछ होते हुए भी कभी अपनी श्रेष्ठता का डंका नहीं पीटा। उन्होंने कहा, जो आया उसे शरण दिया, जिसके ऊपर विपत्ति आई, उसके साथ खड़े हो गए। श्जियो और जीने दोश की प्रेरणा किसी ने दी है तो वह भारत की भूमि ने दी है। वसुधैव कुटुंबकम की प्रेरणा भी भारत की धरती ने ही दी है। आयोजन के मुख्य वक्ता स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने कहा कि लोगों के मन में सवाल हो सकता है कि आयोजन का प्रयोजन क्या है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह किसी प्रकार का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि प्रेरणा है और जियो गीता संस्था एक आान है। स्वामी ज्ञानानंद ने कहा, जियो गीता, गीता के साथ जीने की आदत बनाने की प्रेरणा है।

जनसभा में टीवीके प्रमुख विजय का सत्ताधारी पार्टी पर तीखा हमला

डीएमके की विचारधारा, भ्रष्टाचार है

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलागा वेत्री कषगम के संस्थापक और अभिनेता-राजनेता विजय रविवार को कांचीपुरम जिले में एक जनसभा को संबोधित किया। यह जनसभा इनडोर जगह पर हुई, जिसमें विजय ने राज्य की सत्ताधारी पार्टी डीएमके पर खुलकर निशाना साधा। इस जनसभा के साथ विजय ने अपने राजनीतिक प्रचार को फिर से शुरू किया है, जो करूर भगदड़ हादसे के बाद से बंद था। टीवीके से जुड़े लोगों ने बताया कि जनसभा को आसानी से कराने के लिए सभी इंतजाम किए गए हैं। टीवीके चीफ और एक्टर विजय ने जनसभा के दौरान कहा, 'मेरा इरादा सभी लोगों की बराबर सेवा करना है। हम अन्नादुरई के उसूलों की भावना से जनता से मिल रहे हैं। लेकिन आज अन्नादुरई को कौन याद करता है? डीएमके अब विचारधारा की कीमत पूछती है। वे हमसे हमारी विचारधारा के बारे में सवाल करते हैं। हमने जाति के आधार पर जनगणना की मांग की है, वक्फ एक्ट का विरोध किया है और ऐसा करने वाली पहली पार्टी के तौर पर सुप्रीम कोर्ट गए हैं, और हमने सीएए का भी कड़ा विरोध किया है। लेकिन, डीएमके की विचारधारा भ्रष्टाचार है। सोचिए उनकी अपनी पार्टी के अंदर क्या हो रहा है। पूरा राज्य एक ऐसी डीएमके को देख रहा है जो 75 साल के बच्चे जैसा बर्ताव करती है। हमने अभी तक पूरी ताकत से डीएमके का विरोध करना भी शुरू नहीं किया है; वे पहले से ही कांप रहे हैं।' विजय ने कहा कि 'कांचीपुरम पूर्व सीएम अन्नादुरई की धरती है। डीएमके हमरी पार्टी टीवीके से निजी दुश्मनी रखती है। हम ऐसी कोई नाराजगी नहीं रखते, लेकिन हम उनसे सवाल करेंगे क्योंकि उन्होंने उन्हीं लोगों को धोखा दिया है जिन्होंने उन पर भरोसा किया और उन्हें वोट दिया। उनकी हरकतें सिर्फ ड्रामा हैं। हम इस बारे में चुप नहीं रहेंगे।

राष्ट्रपति को चंडीगढ़ के लिए सीधे कानून बनाने की अनुमति देने वाले विधेयक का केजरीवाल ने किया विरोध

एजेंसी

नयी दिल्ली। आप आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की नेता हरसिमरत कौर बादल ने उस संविधान संशोधन विधेयक का रविवार को कड़ा विरोध किया जिसे संसद में पेश किया जाना है। विधेयक में चंडीगढ़ को अनुच्छेद 240 के तहत शामिल करने का प्रावधान है जिससे राष्ट्रपति को केंद्र शासित प्रदेश के लिए नियम बनाने और सीधे कानून बनाने का अधिकार होगा। लोकसभा और राज्यसभा बुलेटिन के अनुसार, केंद्र सरकार एक दिसंबर से शुरू होने वाले संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2025 लाएगी। यदि विधेयक पारित हो जाता है, तो चंडीगढ़ में एक स्वतंत्र प्रशासक हो सकता है, जैसा कि पहले स्वतंत्र मुख्य सचिव हुआ करते थे। चंडीगढ़ पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी है। इस प्रस्तावित संशोधन को लेकर पंजाब में राजनीतिक आक्रोश भड़क उठा है, जिसमें राज्य में सत्ताधारी आप, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाली केंद्र सरकार की आलोचना की है और सरकार पर पंजाब से चंडीगढ़ छीनने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केंद्र के इस प्रस्तावित कदम का कड़ा विरोध किया और इसे पंजाब की पहचान और संवैधानिक अधिकारों पर सीधा हमला बताया है। केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट किया, भाजपा की केंद्र सरकार द्वारा संविधान संशोधन के माध्यम से चंडीगढ़ पर पंजाब के अधिकार को खत्म करने की कोशिश किसी साधारण कदम का हिस्सा नहीं, बल्कि पंजाब की पहचान और संवैधानिक अधिकारों पर सीधा हमला है। संघीय ढांचे की धज्जियां उड़ाकर पंजाबियों के हक छीनने की यह मानसिकता बेहद खतरनाक है। उन्होंने कहा, जिस पंजाब ने देश की सुरक्षा, अनाज, पानी और इंसानियत के लिए हमेशा बलिदान दिया, आज उसी पंजाब को उसके अपने हिस्से से वंचित किया जा रहा है। ये केवल एक प्रशासनिक फैसला नहीं बल्कि ये पंजाब की आत्मा को चोट पहुंचाने जैसा है। केजरीवाल ने कहा, इतिहास गवाह है कि पंजाबियों ने कभी किसी तानाशाही के सामने सिर नहीं झुकाया। पंजाब आज भी नहीं झुकेगा। चंडीगढ़ पंजाब का है और पंजाब का रहेगा। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि इस कदम से पंजाब चंडीगढ़ पर अपना अधिकार खो देगा।

श्री सत्य साईं बाबा की जन्म शताब्दी उनकी सेवा का प्रतीक: मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू

एजेंसी

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को कहा कि दिवंगत आध्यात्मिक गुरु श्री सत्य साईं बाबा की जन्म शताब्दी उनकी सेवा और आध्यात्मिक मार्गदर्शन का प्रतीक है। श्री सत्यसाईं जिले के पुट्टपर्थी में सत्य साईं बाबा के जन्म शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि उन्होंने अपने आध्यात्मिक मार्गदर्शन, करुणामय सेवा और परिवर्तनकारी कल्याण के माध्यम से विभिन्न देशों के लाखों लोगों को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि सबको प्रेम करो-सबकी सेवा करो और सदैव सहायता करो - कभी किसी को कष्ट मत दो बाबा की शाश्वत शिक्षाएं हैं जो मानवता को सद्भाव की ओर ले जाती हैं। नायडू ने कहा, भगवान श्री सत्य साईं बाबा की जन्म शताब्दी, सेवा के प्रति उनकी अटूट निष्ठा की याद दिलाती है। मुख्यमंत्री ने उनके सत्य, सदाचार, शांति, प्रेम और अहिंसा के सिद्धांतों को रेखांकित किया। नायडू ने इस बात पर जोर दिया कि वर्ष भर चलने वाले शताब्दी कार्यक्रमों के माध्यम से उनकी शिक्षाओं का दुनियाभर में प्रसार किया जाना चाहिए।

चंडीगढ़ बिल पर केंद्र सरकार ने दी सफाई, कांग्रेस ने कसा तंज, कहा- पहले घोषणा, फिर सोचना

एजेंसी

नयी दिल्ली। चंडीगढ़ से जुड़े एक संवैधानिक बिल को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। यह बिल एक दिन संसद की सूची में दिखाई दिया और अगले ही दिन सरकार ने कहा कि उसका तो इसे पेश करने का कोई इरादा ही नहीं। सरकार के इस 'यू-टर्न' ने कांग्रेस को कटाक्ष का मौका दे दिया और पार्टी ने केंद्र पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि शनिवार को संसद के बुलेटिन में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2025 सूचीबद्ध था। इसका उद्देश्य था- चंडीगढ़ के लिए एक पूर्णकालिक उपराज्यपाल (एलजी) नियुक्त करने का रास्ता साफ करना। पंजाब और कांग्रेस, दोनों ही इस प्रस्ताव के खिलाफ तुरंत खड़े हो गए। रमेश बोले, 'अब गृह मंत्रालय कह रहा है कि उसे सर्दियों के सत्र में कोई बिल लाने का इरादा नहीं है। यह सरकार की वही पुरानी शैली है, पहले घोषणा, बाद में सोच।' केंद्र सरकार ने रविवार को साफ किया कि चंडीगढ़ को लेकर कोई बिल अभी सत्र में नहीं आएगा। मंत्रालय ने कहा कि, यह प्रस्ताव सिर्फ कानून बनाने की प्रक्रिया सरल करने के लिए था। चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा के बीच चली आ रही परंपरागत व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं होगा। फिलहाल कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। सभी हितधारकों से बातचीत के बाद ही आगे कदम उठाया जाएगा।

श्री सत्य साई बाबा की सेवा मानवता का मार्गदर्शन करती रहेगी: मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

एजेंसी

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि दिवंगत आध्यात्मिक गुरु श्री सत्य साई बाबा का जीवन और उनकी सेवा दुनिया भर के लोगों को प्रेरित करती रहेगी। पुट्टपर्थी के श्री सत्य साई जिले में श्री सत्य साई बाबा के जन्म शताब्दी समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अध्यात्म को सेवा से जोड़ा और अपना जीवन गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा कि भले ही श्री सत्य साई बाबा शारीरिक रूप से मौजूद नहीं हैं लेकिन उनकी भावना हममें से हर एक व्यक्ति में जीवित है। रेड्डी ने कहा, श्री सत्य साई बाबा का जीवन और उनकी सेवा दुनिया भर के लोगों को प्रेरित करती रहेगी।

सम्पादकीय...

राजस्थान को नया निवेश हब बना रहे भजनलाल शर्मा

ज्यादातर भारतीयों के लिए राजस्थान का नाम सुनते ही हवेलियों पर गिरती रेगिस्तान धूप, सुनहरी धरती से उठते किले और पुराने बाजारों में चमकते रत्नों की तस्वीरें उभरती हैं। राज्य की जी.डी.पी. का लगभग 15 प्रतिशत जो देश में सबसे अधिक में से है, पर्यटन से आता है। लेकिन इस सफलता का एक साइड इफैक्ट भी रहा। राजस्थान को अक्सर एक पर्यटन या सांस्कृतिक गंतव्य के रूप में ही देखा गया न कि एक गंभीर निवेश केंद्र के रूप में। अब यह लंबे समय से बनी धारणा अफसरशाही के भीतर भी धीरे-धीरे बदल रही है। इस बदलाव के केंद्र में हैं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, जिन्होंने अपने पहले वर्ष में एक पारंपरिक राजनेता की तरह नहीं बल्कि एक ऐसे सी.ई.ओ. की तरह काम किया है जो अपनी पुरानी कंपनी को नए बाजार के लिए फिर से स्थापित करने में लगा हो। राजस्थान के पास भूमि का विशाल भंडार, दिल्ली एन.सी.आर. की निकटता, भारत के सबसे तेजी से विकसित होते नवीकरणीय गलियारों में से एक और समृद्ध खनिज संसाधन मौजूद रहे हैं। फिर भी, इन संभावनाओं को ठोस पूंजी में बदलने की रेस में राज्य तटीय प्रदेशों से पीछे रह जाता था। नारेबाजी की बजाय,भजनलाल शर्मा सरकार ने इस अंतर को दूर करने के लिए एक व्यवस्थित आर्थिक दृष्टिकोण अपनाया है। सरल बात यह है कि राजस्थान को एक घूमने लायक जगह की बजाय एक निवेश करने लायक राज्य के रूप में देखा जाए। पिछले एक वर्ष में राज्य ने सैक्टर-आधारित संवादों और आऊटरीच प्रयासों के माध्यम से 1.80 लाख करोड़ रुपए के निवेश सुनिश्चित किए हैं। इंडस्ट्रियल एंटरप्रेन्योर मैमोरैंडम (आई.ई.एम.) में 17 प्रतिशत की बढ़ौतरी, एक गैर-तटीय राज्य के लिए काफी उल्लेखनीय है। इंजीनियरिंग सामान, टैक्सटाइल, पत्थर और रसायन राज्य के प्रमुख निर्यात, सैक्टर, मिलकर 82,000 करोड़ का निर्यात कर चुके हैं। निवेश प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, मुख्यमंत्री के निर्देश पूरी तरह स्पष्ट हैं। आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने से बचें, हर प्रतिबद्धता को लगातार ट्रैक करें और रूपांतरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। इससे पहले राजस्थान पर ऐसे एम.ओ.यू. के लिए आलोचना होती रही जो कागजों पर बड़े थे लेकिन जमीन पर नहीं उतरते थे। मौजूदा सरकार इस प्रवृत्ति से पूरी तरह अलग दिशा में जाती दिख रही है। राज्य सरकार के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2024 से आए निवेश प्रस्तावों में से लगभग 39 प्रतिशत अब विभिन्न क्रियान्वयन चरणों में पहुंच चुके हैं। अलवर, जोधपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर और नई औद्योगिक बैल्टों में 12,000 एकड़ से अधिक भूमि आबंटित की गई है। लगभग 6,500 मैगावॉट के नवीकरणीय ऊर्जा प्रोजैक्ट मंजूरी के बाद निर्माण चरण में हैं। सरकार का मानना है कि इस तरह की रूपांतरण दर राजस्थान को एक घोषणाओं वाला राज्य नहीं बल्कि निवेशक-हितैषी राज्य के रूप में स्थापित कर देगी। प्रवासी राजस्थान रणनीति- एक शांत लेकिन निर्णायक फकरू राजस्थान सरकार की सबसे दिलचस्प पहलों में से एक है राज्य के प्रवासी समुदाय से संरचित और व्यवस्थित रूप से जुडने का प्रयास। एक ऐसा समूह जिसकी आर्थिक क्षमता उसके सार्वजनिक विमर्श में दिखने से कहीं अधिक है।

राशिफल

मेषः- भावना से उद्वेलित मन निकट संबंधों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश संबंधियों के प्रति नकारात्मकता को न पालें। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्मक विचार ला सकती हैं।

बृषभ :- भौतिक महत्वकांक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी। परिजनों से कुछ भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। अच्छी योजनाओ द्वारा महत्वपूर्ण कार्यरें को समयानुकूल पूर्ण करेंगे।

मिथुन :- भावनाओं पर नियंतग्ररख अपने दायित्वों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। बचकाना स्वभाव महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में परिश्रम का लाभ मिलेगा।

कर्क :- महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। भौतिक-सुख साधन में व्यय संभव। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें।

सिंह :- किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा। किसी की कटु वाणी मन को दुखित कर सकती है। उच्च महत्वकांक्षाएं व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेंगी। आलस्य कतई न करें।

कन्याः- नये संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। जीविका क्षेत्र में मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रयत्नशील होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

तुलाः- कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। शासन-सत्ता की दिशा में केंद्रित लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा।

वृश्चिकः- किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां अर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है।

धनुः- रोजगार क्षेत्र में आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सार्थक होती हुई नजर आएंगी। श्रेष्ठजनों से नजदीकियां पैदा होंगी।

शराब की लुभावनी पैकेजिंग के खतरे एवं सुप्रीम कोर्ट की चिंता

ललित गर्ग

हाल ही में देश की शीर्ष अदालत ने शराब की पैकेजिंग को लेकर जो गंभीर टिप्पणी की है, वह केवल कानूनी हस्तक्षेप नहीं बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाली चेतावनी है। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि शराब को इस तरह आकर्षक और लुभावना बनाकर प्रस्तुत करना सार्वजनिक स्वास्थ्य के साथ-साथ संस्कृति एवं सामाजिक के साथ खिलवाड़ है। चमकीली बोतलें, विदेशी डिजाइन, चटकदार रंग और ग्लैमरस बॉक्स-ये सब रणनीतियां लोगों को, विशेषकर युवाओं को, महिलाओं को शराब की ओर खींचने का साधन बन चुकी हैं। शराब की यह भ्रामक एवं बाजारवादी पैकेजिंग एक गंभीर एवं नया खतरा है। यह प्रवृत्ति केवल बाजार का विस्तार नहीं बल्कि पूरे समाज के स्वास्थ्य, नैतिकता और मानसिक संतुलन पर गहरा हमला है। जन-स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली शराब कम्पनियों की दुराग्रही सोच एवं गुमराह करने वाली पैकिंग एक आपराधिक कृत्य है। जूस पैक जैसे दिखने वाले टेट्रा पैक में बेची जा रही शराब अनेक खतरों को आमंत्रण है। आज जब देश शराब की वजह से होने वाली बीमारियों, दुर्घटनाओं, हिंसा, पारिवारिक विघटन और मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, तब शराब को फैशनेबल बनाकर बेचना एक बहुत बड़ा खतरा बन जाता है। शराब कंपनियों ने पैकेजिंग को आधुनिकता, प्रतिष्ठा और स्टाइल से जोड़ दिया है, जिससे युवा वर्ग इसे किसी उपलब्धि जैसा मानने लगा है। सामाजिक और मनोवैज्ञानिक रूप से यह पैकेजिंग व्यक्ति के मन में यह भ्रम पैदा करती है कि शराब पीना आधुनिकता का प्रतीक है, जबकि वास्तविकता यह है कि शराब हर रूप में शरीर और मन के लिए घातक जहर है। शराब के घातक एवं दुष्प्रभाव किसी से छिपे नहीं हैं। यह धीरे-धीरे शरीर को भीतर से खोखला करते हुए नशे की अंधी गलियों में धकेल देती है। लिवर सिरोसिस, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, कैंसर, मानसिक असंतुलन, अवसाद और नींद की गंभीर समस्याएं शराब सेवन की सीधी देन हैं। सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले हजारों लोग शराब पीकर गाड़ी चलाने के कारण अपनी जान गंवाते हैं। घरेलू हिंसा, अपराध और परिवारों के टूटने में शराब की भूमिका लंबे समय से प्रमाणित है। ऐसे में शराब को आकर्षक पैकेजिंग में परोसना मानो लोगों को स्वेच्छा से विनाश के रास्ते पर भेजने जैसा है। सुप्रीम कोर्ट ने इसीलिए चिंता जताई है कि शराब की बोतलों की पैकिंग ऐसी नहीं होनी चाहिए जो उपभोक्ता को उसकी वास्तविक हानियों से दूर ले जाए। चेतावनियां अक्सर बोतल के किनारे इस तरह लगाई जाती हैं कि वे दिखती ही नहीं। कंपनियां स्वास्थ्य चेतावनियों को ढककर अपने उत्पाद की सुंदरता को आगे करती हैं। यह न केवल अनैतिक है बल्कि स्वास्थ्य संबंधी नीतियों की मूल भावना के भी विरुद्ध है। जब सरकार तंबाकू पर बड़ी और भयावह चेतावनियों को अनिवार्य कर चुकी है, तो शराब जिसका स्वास्थ्य पर प्रभाव कई मामलों में उतना ही विनाशकारी है, उसकी पैकेजिंग पर भी समान कठोर नियम लागू होना चाहिए। समाज में शराब की बढ़ती स्वीकृति का बड़ा कारण यह भी है कि शराब उद्योग ने पैकेजिंग को ही आकर्षक विज्ञापन का माध्यम बना दिया है। जहां शराब विज्ञापन पर कानूनी रोक है, वहां कंपनियां रंगीन

बोतलों और खूबसूरत बॉक्सों को ही प्रचार का तरीका बना लेती हैं। यह परोक्ष विज्ञापन है, जो कानून की भावना का उल्लंघन करता है और युवाओं को नशे की ओर ले जाता है। ऐसे में सादे, सरल और सामान्य पैकेजिंग की दिशा में कदम बढ़ाना आवश्यक है, ताकि शराब किसी लक्जरी उत्पाद की तरह न दिखे, बल्कि उसका स्वरूप ही लोगों को चेतावनी देने वाला बने। यह भी चिंताजनक है कि शराब उद्योग का उद्देश्य केवल बिक्री बढ़ाना है, भले ही उससे समाज कितना भी प्रभावित क्यों न हो। वे यह नहीं देखते कि शराब कितने घर बर्बाद कर रही है, कितने लोग बीमार हो रहे हैं और कितनी जिंदगियां संकट में हैं। इस मानसिकता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई बेहद आवश्यक है। शराब की ग्लैमरस पैकेजिंग पर रोक लगाने से न केवल उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि समाज में नशामुक्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण वातावरण भी बनेगा। सरकारों के लिये राजस्व का बड़ा जरिया शराब है, इसलिये सरकारें भी शराब के खिलाफ खुलकर सामने नहीं आती। सुप्रीम कोर्ट की इस चेतावनी को केवल उद्योगों के लिए ही नहीं, बल्कि सरकार, समाज और परिवारों के लिए भी महत्वपूर्ण संदेश के रूप में देखा जाना चाहिए। शराब किसी भी रूप में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और उसे आकर्षक बनाकर बेचना मानव जीवन के मूल्य को कम करना है।

आज आवश्यकता है कि शराब की पैकेजिंग को नियंत्रित किया जाए, उसे सामान्य और गैर-आकर्षक बनाया जाए, स्पष्ट चेतावनियां लिखी जाएं और शराब को समाज में सम्मानजनक स्थान देने वाली प्रवृत्तियों पर रोक लगे। सरकार को भी स्वस्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ऐसे कानून बनाने चाहिए जो शराब उद्योग की विपणन चालों को सीमित करें।

कुछ खास...

श्री गुरु तेग बहादुर जी,सत्य, सेवा और स्वतंत्रता के महायोद्धा

भारत का इतिहास उन महान विभूतियों के त्याग, सत्य और साहस से आलोकित है, जिन्होंने मानवता की रक्षा के लिए अपने

प्राणों तक का बलिदान दे दिया। सिख धर्म के नौवें गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर साहिब, ऐसे ही एक दिव्य व्यक्तित्व थे, जिनका जीवन, दर्शन और बलिदान आज भी संपूर्ण मानव सभ्यता को रास्ता दिखाने वाली ज्योति है। वह केवल एक सम्प्रदाय के गुरु नहीं थे बल्कि समूचे भारत की आत्मा के रक्षक थे। इसलिए उन्हें हिंद की चादर कहा गया जो धर्म, आस्था और मानवता की रक्षा करने वाली वह ढाल थे, जिसका तेज सदियों बाद भी उतना ही उज्ज्वल है। गुरु तेग बहादुर जी का जन्म 1 अप्रैल,1621 को अमृतसर में गुरु हरगोबिंद साहिब के घर हुआ। बचपन से ही उनमें ध्यान, चिंतन, विनम्रता और त्याग के गुण सहज रूप से विद्यमान थे। प्रारंभिक नाम त्याग मल था, पर युद्ध में दिखाई अद्भुत वीरता के कारण उनका नाम तेग बहादुर अर्थात तलवार के धनी पड़ा। गुरु तेग बहादुर जी ने गुरु नानक देव जी की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए पूरे उत्तर भारत में व्यापक यात्राएं कीं। पंजाब, बिहार, बंगाल, असम और हिमालय तक फैले इन दौरों का मूल उद्देश्य था मनुष्य को जाति-पाति, ऊंच-नीच और संकीर्णताओं से ऊपर उठाकर मानव धर्म अपनाने का संदेश देना। उनकी वाणी में जीवन की अनित्यता, भय से मुक्ति, सत्य के मार्ग पर अडिग रहने और वैराग्य के महत्व का अद्भुत संगम मिलता है। उनके 116 शब्द गुरु ग्रंथ साहिब में संकलित हैं, जिनमें मानव मन की कमजोरियों, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार पर गहरा प्रहार है। 1664 में गुरु पद ग्रहण करने के बाद उनका जीवन समाज के लिए और भी समर्पित हो गया। यह वही दौर था जब सम्राट औरंगजेब ने पूरे भारत में जबरन धर्मांतरण की नीति लागू कर रखी थी। मंदिर तोड़े जा रहे थे, धार्मिक स्वतंत्रता कुचली जा रही थी और सबसे अधिक अत्याचार कश्मीर के हिंदू पंडितों पर हो रहा था। अत्याचारों से ग्रस्त कश्मीरी पंडितों का एक प्रतिनिधिमंडल आनंदपुर साहिब पहुंचा और गुरु तेग बहादुर जी से रक्षा की गुहार लगाई। यह क्षण भारतीय इतिहास का अनोखा अध्याय है जब एक समुदाय दूसरे समुदाय से अपनी आस्था की रक्षा के लिए समर्थन मांग रहा था और वह समर्थन उन्हें पूर्ण निर्भीकता और करुणा के साथ प्राप्त हुआ। गुरु तेग बहादुर जी ने परिस्थिति की गंभीरता समझते हुए कहा कि धर्म की रक्षा के लिए यदि किसी एक के बलिदान की आवश्यकता है तो तेग बहादुर तैयार है। उन्होंने अपने 9 वर्षीय पुत्र गोबिंद राय से पूछा कि इस समय मानवता की रक्षा के लिए कौन बलिदान दे सकता है। बालक गोबिंद राय का उत्तर इतिहास में दर्ज हो गया- पिता जी! आपसे बढ़कर कौन होगा? इस उत्तर ने गुरु तेग बहादुर जी के निर्णय को शहादत के अमर मार्ग की ओर अग्रसर कर दिया। उन्होंने घोषणा की कि यदि औरंगजेब उन्हें मुसलमान बना ले तो पूरे हिंदू समाज का धर्मांतरण संभव हो जाएगा। यह चुनौती औरंगजेब की नीतियों के विरुद्ध सबसे बड़ा प्रतिरोध थी, जिसने मुगल सत्ता को नैतिक रूप से झकझोर दिया। गुरु जी भाई मति दास, भाई सति दास और भाई दयाला सहित दिल्ली लाए गए।

वन मैन शो! अक्षय कुमार ने 2025 में 4 लगातार हिट्स के साथ कमाए 500 करोड़ से भी ज्यादा

2025 अक्षय कुमार के लिए अब तक का सबसे सफल साल साबित हुआ है, क्योंकि

उन्होंने एक नहीं, दो नहीं, बल्कि लगातार चार हिट फिल्में दी हैं एक ऐसा क्लीन स्वीप जिसने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर लगभग 592.79 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की। इस साल बड़े पैमाने और धमाकेदार फिल्मों की भरमार थी, लेकिन अक्षय आए, डिलीवर किया, और फिर साबित किया कि वे क्यों बॉलीवुड के सबसे बहुमुखी और भरोसेमंद सितारों में से एक हैं।

स्काई फोर्स

अक्षय ने साल की शुरूआत स्काई फोर्स से की उ एक एड्रेनालिन से भरी देशभक्ति एक्शन फिल्म जिसने भावनाओं, देशभक्ति और वीरता का बेहतरीन संतुलन दिखाया। देशभक्ति किरदारों में अक्षय की फिटनेस को एक बार फिर सराहा गया, और उनकी दमदार परफॉर्मेंस ने फिल्म की कमाई में भी बड़ा योगदान दिया। भारत में इस फिल्म ने लगभग 155.18 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।

केसरी चैप्टर 2

अप्रैल में अक्षय कुमार ने केसरी की विरासत को आगे बढ़ाते हुए केसरी चैप्टर 2 लेकर आए। यह फिल्म जलियांवाला बाग की अनकही कहानी को बयान करती है और एक तीव्र ऐतिहासिक कोर्टरूम ड्रामा पेश करती है। फिल्म ने आसानी से 100 करोड़ क्लब में प्रवेश किया और लगभग 111.05 करोड़ रुपये की कमाई की।

हाउसफुल 5

देशभक्ति और कोर्टरूम ड्रामा के बाद अक्षय हंसी और पागलपन लेकर लौटे हाउसफुल 5 के साथ। उन्होंने एक बार फिर अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग, स्लैपस्टिक, सिचुएशनल कन्फ्यूजन और शार्प डायलॉग डिलीवरी से साबित कर दिया कि हाउसफुल फ्रेंचाइज हमेशा से उनका मैदान रहा है। कॉमेडी अक्षय की होम ग्राउंड है, और हाउसफुल 5 की बॉक्स ऑफिस कमाई इसका सबूत है लगभग 191.33 करोड़ रुपये।

जॉली एलएलबी 3

इसके बाद अक्षय कोर्टरूम में लौटे जॉली एलएलबी 3 के साथ। उन्होंने सामाजिक व्यंग्य, हास्य और बुद्धि की लड़ाई से भरपूर मनोरंजन पैक किया, जिसने दर्शकों को खूब हंसाया।

फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगातार कमाई जारी रखी और लगभग 135.23 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।

फिल्म ट्रेड की नई कसौटी, मस्ती 4 में रूही सिंह रूची सिंह की चमक

बॉलीवुड में हर साल कई फिल्में आती हैं, कुछ बड़ी हिट होती हैं, कुछ फ्लॉप। मगर कुछेक फिल्में ऐसी होती हैं जो बॉक्स ऑफिस का इतिहास नहीं, बल्कि भविष्य का इतिहास लिख जाती हैं। मिलाप झवेरी के निर्देशन में बनी, दिग्गज अभिनेताओं से भरी मस्ती 4 डेंजपप 4 शायद इस साल की सबसे बड़ी कॉमेडी हिट न बने, और न ही इसे सिनेमाई उत्कृष्टता के लिए याद रखा जाएगा। लेकिन एक बात निश्चित है यह फिल्म हमें एक सितारा दे गई है। रूही सिंह जहां फिल्म की कहानी और पटकथा को लेकर दर्शकों की राय बंटी हुई है, वहीं रूही की स्क्रीन प्रेजेंस और कॉमिक टाइमिंग ने हर किसी को चैंकाया है। एक फ्रैंचाइज, जो पहले से ही स्थापित अभिनेताओं के कंधों पर टिकी थी, रूही ने वहाँ अपनी जगह बनाई और अपने हर सीन को पूरी कमांड के साथ निभाया। यह उनका ब्रेकआउट मोमेंट है, जिसने साबित कर दिया कि वह सिर्फ ग्लैमर नहीं, बल्कि अभिनय की गहरी खान हैं। किसी कलाकार की प्रतिभा पर उद्योग में सबसे बड़ी मुहर लगती है, जब उसे किसी बड़े निर्देशक का समर्थन मिलता है। रूही को निर्देशक अनुराग कश्यप का समर्थन मिला है। कश्यप, जो खुद एक संस्थान हैं, वह हमेशा उस मिट्टी को पहचानते हैं जिससे भविष्य के महान कलाकार निकलते हैं। उनका ट्रैक रिकॉर्ड किसी भविष्यवाणी से कम नहीं है। गौर करने वाली बात है कि एक समय था जब कश्यप ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी पर अपना दांव लगाया था, जब नवाज सिर्फ एक साइड आर्टिस्ट थे। उन्होंने मनोज बाजपेयी को उनके सबसे शानदार किरदारों में गढ़ा। उन्होंने राजकुमार राव को पहचान दी और विनीत सिंह को मुक्काबाज में चमकाया। ये सभी वो कलाकार हैं जो आज अपने काम के महारथी हैं, और उनके करियर को हमेशा अनुराग कश्यप के पसंदीदा होने का फायदा मिला। कश्यप ने रूही को भी एक शानदार और मेहनती अभिनेत्री कहा था, जब वह ओटीटी पर रनअवे लुगाई जैसी गंभीर भूमिकाओं में थीं। अब, मस्ती 4 के साथ, यह बात पत्थर की लकीर बन गई हैरू कश्यप की पारखी नजर एक बार फिर सही साबित हुई है। रूही सिंह का सफर एक दिलचस्प मोड़ पर है। उन्होंने कैलेंडर गर्ल्स के साथ ग्लैमरस शुरूआत कीक्रयह उनका पहचान का शुरूआती मोमेंट था। लेकिन उनका ओटीटी काम (जिसके लिए उन्हें फिल्मफेयर ओटीटी नॉमिनेशन भी मिला) उनकी अभिनय क्षमता का प्रमाण है। ठीक उसी तरह, जैसे नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने शुरूआती दौर में कमर्शियल सिनेमा में छोटी भूमिकाएं करते हुए अपनी जगह बनाई, रूही ने एक बड़े, व्यावसायिक फ्रैंचाइज को चुना। यह कदम उन्हें सिर्फ ग्लैमरस स्टार से एक्टर-स्टार की श्रेणी में ले जाता है। उन्होंने साबित किया है कि वह बिकिनी अपील और जबरदस्त कॉमेडी, दोनों को एक साथ निभा सकती हैं। अब समय आ गया है कि रूही सिंह को श्एक्टिंगश के लिए जाना जाए, न कि सिर्फ स्क्रीन प्रेजेंस के लिए। रूही सिंह ने अपना काम कर दिया है। उन्होंने थियेट्रिकल सर्किट में खुद को न सिर्फ स्थापित किया है, बल्कि अपनी अभिनय क्षमता का प्रमाण भी दिया है। बॉलीवुड के बड़े निर्देशकों और स्टूडियोज को अब यह समझना चाहिए कि उनके हाथ में एक ऐसा हाइब्रिड टैलेंट है, जिसे सिर्फ कॉमेडी या ग्लैमर तक सीमित नहीं किया जा सकता। रूही को रनअवे लुगाई की तरह जटिल, गहरी और सशक्त स्क्रिप्ट की जरूरत है। उन्हें वो फिल्में चाहिए जो उनकी रेंज को चुनौती दें। एक एक्टर-स्टार को गढ़ने के लिए जरूरी है कि इंडस्ट्री उसे सही मौके दे। अगर बॉलीवुड ने देर की, तो यह एक और असाधारण प्रतिभा को गंवाने जैसा होगा। रूही सिंह ने स्टारडम के दरवाजे पर दस्तक दे दी है, अब इंडस्ट्री के बड़े बैनर के साथ बेहतर स्क्रिप्ट वाले प्रोजेक्ट में उन्हें काम मिलने की संभावना है।

26/11, पहलगाम, दिल्ली पीड़ितों को शाहरुख का नमन

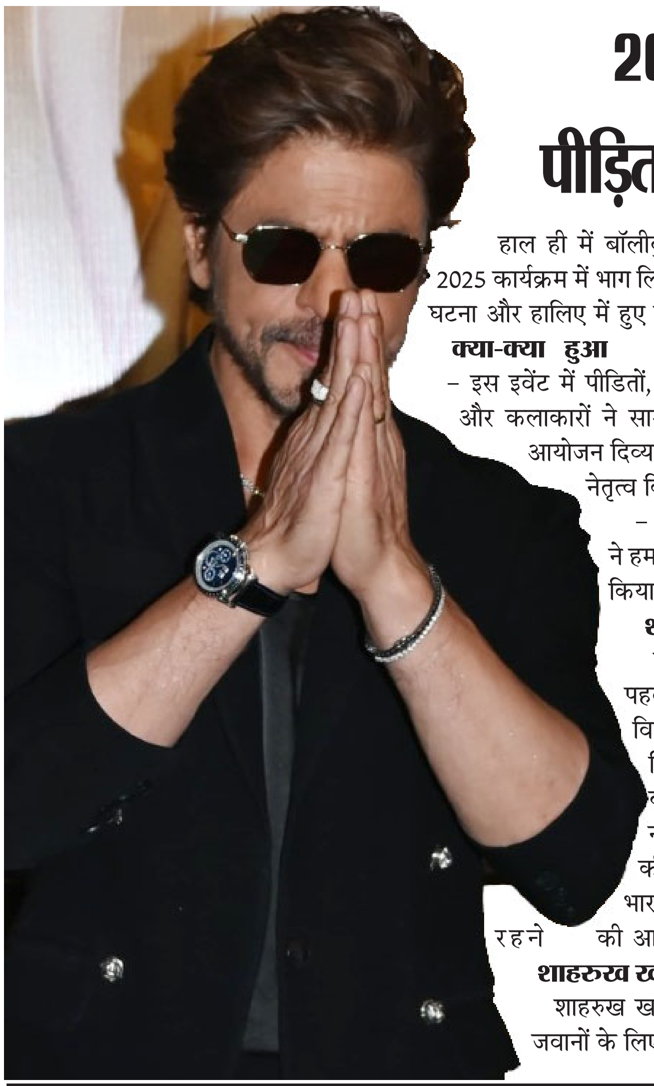

हाल ही में बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने ग्लोबल पीस ऑनर्स 2025 कार्यक्रम में भाग लिया, जहां उन्होंने 26/11 मुंबई हमलों, पहलगाम आतंकी घटना और हालिए में हुए दिल्ली विस्फोट के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी।

क्या-क्या हुआ

- इस इवेंट में पीडितों, घायलों के परिवार के लोग, नेता, गणमान्य व्यक्तियों और कलाकारों ने सामूहिक स्मरण के एक साथ आए। इस कार्यक्रम का आयोजन दिव्यज फाउंडेशन ने किया और अमृता फडणवीस ने इसका नेतृत्व किया।
- स्टेज पर दर्शकों को संबोधित करते हुए शाहरुख खान ने हमलों से प्रभावित सुरक्षाकर्मियों और नागरिकों को सम्मानित किया।

शाहरुख खान ने श्रद्धांजलि दी

शाहरुख खान ने बोले- "26/11 के आतंकवादी हमले, पहलगाम आतंकवादी हमले और हाल ही में दिल्ली में हुए विस्फोटों में अपनी जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को मेरी विनम्र श्रद्धांजलि तथा इन हमलों में शहीद हुए हमारे बहादुर सुरक्षाकर्मियों को मेरा सादर नमन।" इतना ही नहीं, एक्टर ने एकता और जिम्मेदारी के बारे में भी बात की और "मानवता के मार्ग" के प्रति प्रतिबद्ध रहने और भारतीय सैनिकों द्वारा किए गए बलिदान का सम्मान करते रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

शाहरुख खान ने सुरक्षाकर्मियों के लिए चार पंक्तियां सुनाई

शाहरुख खान ने कहा, "आज मुझे देश के बहादुर सैनिकों और जवानों के लिए ये चार खूबसूरत पंक्तियां सुनाने के लिए कहा गया है।

सुपरस्टार धनुष ने दो दीवाने सहर में की पहली झलक देख की तारीफ

जी स्टूडियोज और भंसाली प्रोडक्शन्स की दो दीवाने सहर में के टाइटल और पोस्टर रिवील ने रोमांस लवर्स को एक शानदार सरप्राइज दिया है, और इसे हर

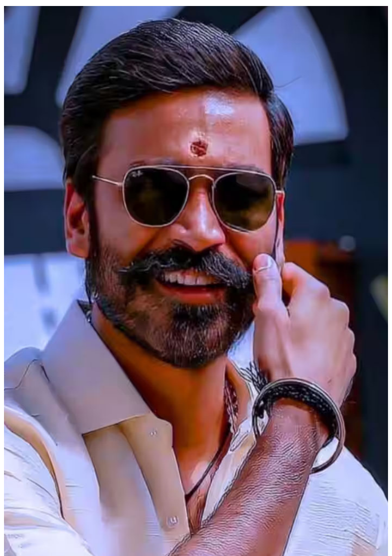

तरफ से बेहतरीन रिस्पॉन्स भी मिल रहा है। ऐसे में अब सुपरस्टार धनुष भी इस जश्न में जुड़ गए हैं। दो दीवाने सहर में के निमार्ताओं ने एक अभिनव, क्लटर-ब्रेकिंग घोषणा बनाई, जिसमें क्रिएटिव एनिमेटेड ट्रीटमेंट, एक स्टाइलिश कास्ट रिवील और भावनात्मक संगीत है, जो इसे अलग बनाता है, और एक आधुनिक प्रेम कहानी वापस लाने का वादा करता है। फिलम को सभी ओर से मिल रहे प्यार और प्रशंसा के बीच, सुपरस्टार धनुष ने भी अपनी प्रतिक्रिया साझा की, इसे लॉक्स एंड साउंड्स गुड कहा। यह वास्तव में इस घोषणा के हाइप के बारे में बहुत कुछ कहता है। वेलेंटाइन वीक के आसपास आ रही, यह फिल्म एक प्यार भरी कहानी के साथ प्यार के मौसम का जश्न मनाएगी, जो एक गर्म आलिंगन की तरह महसूस होती है, सरल, आत्मीय और ताजगी से भरी शुद्ध। जी स्टूडियोज और भंसाली प्रोडक्शंस प्रस्तुत करते हैं दो दीवाने सहर में, जिसमें मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी हैं, रवी उदयवार द्वारा निर्देशित। फिल्म का निर्माण संजय लीला भंसाली, प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार रांगा ने रवी उदयवार फिल्म्स के सहयोग से किया है। दो दीवाने सहर में 20 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

सिर्फ लाइफस्टाइल और खानपान ही नहीं, इस वजह से भी बढ़ रहा है मोटापा, अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा

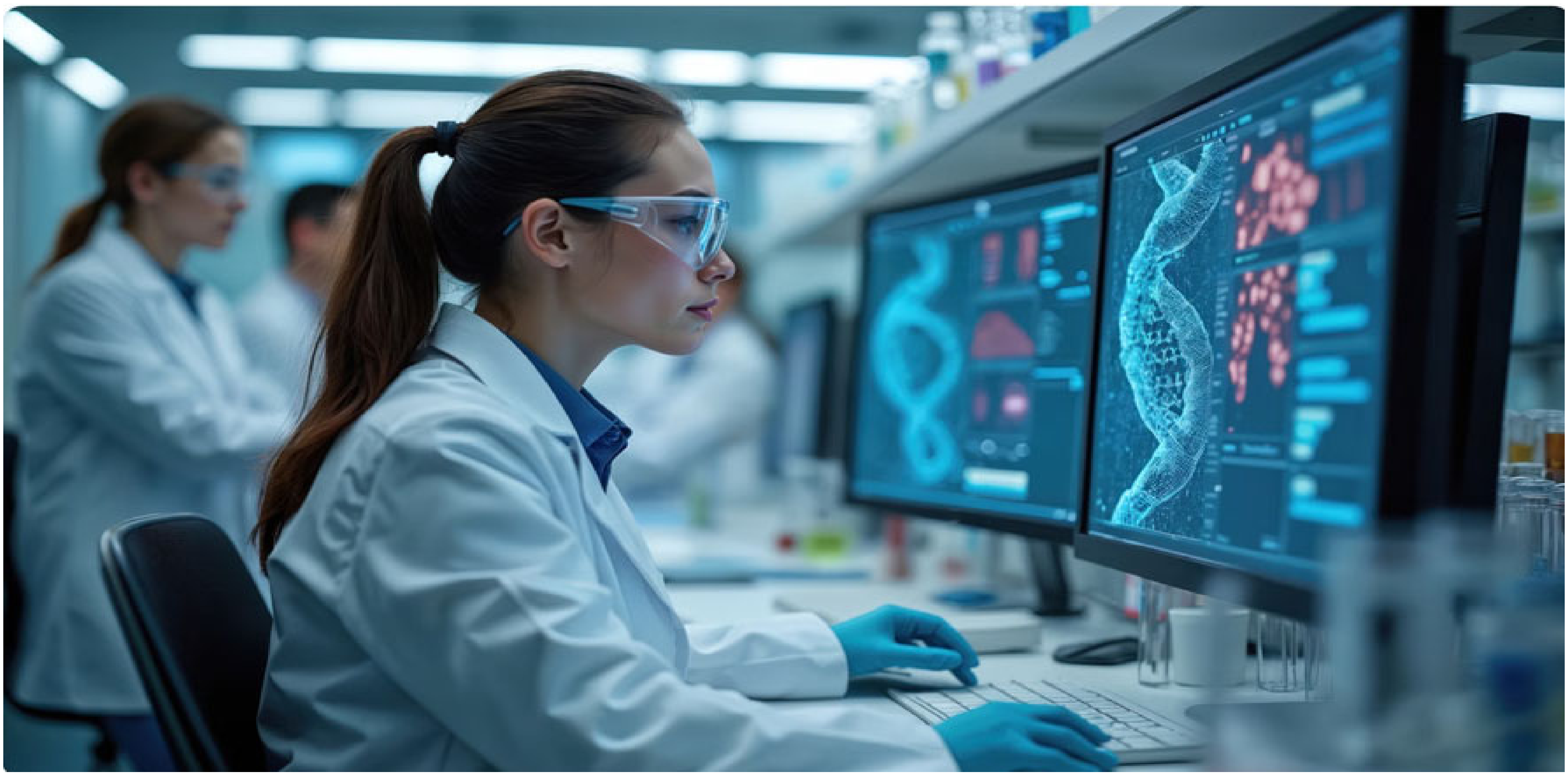

अधिक वजन और मोटापे को स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा खतरा माना जाता रहा है, सभी उम्र के लोग इसका शिकार हो रहे हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि गड़बड़ खानपान, तनाव, व्यस्त दिनचर्या और शारीरिक रूप से कम मेहनत करना मोटापे को बढ़ाने वाली मुख्य वजहें हैं। मोटापा न केवल शरीर के लुक को खराब करता है बल्कि डायबिटीज, हृदय रोग, ब्लड प्रेशर, फैटी लिवर जैसी समस्याओं के खतरे को भी कई गुना बढ़ा देता है। अध्ययनकर्ता कहते हैं, लाइफस्टाइल और खानपान की गड़बड़ी तो बढ़ते वजन का प्रमुख कारण है ही, इसके साथ कुछ अन्य स्थितियों के बारे में भी पता चला है जो बड़ा जोखिम कारक हो सकती हैं। हालिया अध्ययन से पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन के कारण भी वजन बढ़ने की समस्या बढ़ती जा रही है जिसको लेकर सभी लोगों को अलर्ट रहने की आवश्यकता है। अगर आपने भी हाल के वर्षों में कुछ किलो वजन बढ़ा लिया है, तो संभव है कि ये जलवायु परिवर्तन का भी परिणाम हो सकता है।

कार्बन डाइऑक्साइड का खाद्य पदार्थों पर असर

नीदरलैंड के वैज्ञानिकों ने एक हालिया शोध में पाया है कि वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) का बढ़ता स्तर चावल और जौ जैसी महत्वपूर्ण फसलों को अधिक कैलोरी और कम पौष्टिकता वाला बना रहा है। CO_2 प्रकाश संश्लेषण को बढ़ाकर कैलोरी बढ़ाता है, जिससे फसलों में शर्करा और स्टार्च की मात्रा पहले की तुलना में बढ़ रही है। इतना ही नहीं इसके कारण प्रोटीन और पोषक तत्वों की मात्रा भी अनाजों से कम होती देखी गई है जिसके चलते आप जो भोजन आप खाते हैं वो हाई कैलोरी और लो न्यूट्रिशन वाले हो जाते हैं, जो सीधे तौर पर वजन बढ़ाने वाले हो सकते हैं। नीदरलैंड्स की लेडेन यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों की टीम ने लोकप्रिय खाद्य पदार्थों के पौधों में 'व्यापक रूप से पोषक तत्वों में परिवर्तन' की चेतावनी दी है। विशेषज्ञों ने कहा, 'भले ही खाद्य सुरक्षा पर्याप्त रहे, पर इनमें मौजूद पोषक तत्व सुरक्षा खतरे में है। भोजन अधिक कैलोरी वाला और कम पौष्टिक होता जा रहा है। नतीजतन, जलवायु परिवर्तन के कारण इंसानों में मोटापा, कमजोर प्रतिरक्षा प्रणलाी और क्रॉनिक बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है।

अध्ययन में क्या पता चला?

जलवायु परिवर्तन का भोजन पर होने वाले असर और इसके स्वास्थ्य संबंधित दुष्प्रभावों को समझने के लिए वैज्ञानिकों की टीम ने उन रिपोर्ट्स का विश्लेषण किया जिनमें फसलें अलग-अलग CO_2 लेवल पर उगाई गई थीं। इसमें कुल 43 खाने लायक फसलों जैसे चावल, जौ, आलू, टमाटर, गेहूं, सोयाबीन, मूंगफली पर अध्ययन किया गया। विशेषज्ञों ने पाया कि जिन स्थानों पर CO_2 का स्तर अधिक था वहां की फसलों के पोषक तत्वों पर बुरा असर पड़ा। ऐसे फसलों में आमतौर पर जिंक, आयरन और प्रोटीन जैसे जरूरी न्यूट्रिएंट्स में 4.4% तक की कमी, जबकि कुछ में 38% तक की कमी देखी गई। चने में पाए जाने वाले जिंक पर सबसे ज्यादा असर देखा गया जबकि गेहूं और चावल भी इससे प्रभावित होती हैं।

मोटापे का बढ़ता संकट

टीम ने चेतावनी दी है कि चावल दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी के लिए मुख्य खाद्य पदार्थ है और बाकी लोग गेहूं पर निर्भर हैं। इन दोनों में प्रोटीन, जिंक और आयरन जैसे जरूरी पोषक तत्वों में काफी कमी दिखती है। साथ ही, हर सैंपल में कैलोरी की मात्रा बढ़ रही है, जिससे पता चलता है कि इनके सेवन से पहले की तुलना में लोगों में मोटापे का स्तर भी बढ़ता जा रहा है। विशेषज्ञों ने कहा, अगर इस दिशा में सुधार के उपाय न किए गए तो खाद्य पदार्थ भी सुरक्षित नहीं रह जाएंगे और हम कई तरह की बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं।

प्रदूषण, धुंध और सर्दी.. दिल्ली में बढ़ी सांस लेने की परेशानी, ये लापरवाहियां हो सकती हैं जानलेवा

दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में सर्दियों के आते ही वायु प्रदूषण, घना धुंध और ठंडी हवा का घातक मिश्रण एक गंभीर स्वास्थ्य संकट पैदा कर देता है। प्रदूषण का अधिक स्तर और गिरता तापमान मिलकर सांस की समस्याओं, विशेषकर अस्थमा, सीओपीडी और ब्रोंकाइटिस के मरीजों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा देते हैं। वातावरण में मौजूद PM2.5 जैसे सूक्ष्म कण श्वसन मार्ग में स्थायी सूजन पैदा करते हैं। इस जानलेवा वातावरण में हमारी रोजमर्रा की कुछ लापरवाहियां स्थिति को और बदतर बना सकती हैं और स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकती हैं। यह समझना जरूरी है कि प्रदूषित हवा में सांस लेने से सिर्फ फेफड़े ही नहीं, बल्कि हृदय और रक्त वाहिकाएं भी प्रभावित होती हैं। इस गंभीर स्वास्थ्य जोखिम को कम करने के लिए कुछ आम और खतरनाक लापरवाहियों को तुरंत सुधारना आवश्यक है। ये छोटे-छोटे सुधार आपके स्वास्थ्य में बड़ा सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

अधिक अदक में बाहर व्यायाम करना

अधिक अदकवाले वातावरण में बाहर मॉर्निंग वॉक करना या कठिन व्यायाम करना सबसे बड़ी लापरवाही है। व्यायाम के दौरान हम तेजी से और गहराई से सांस लेते हैं, जिससे फेफड़ों तक पहुंचने वाले PM2.5 कणों की मात्रा कई गुना बढ़ जाती है। ये कण रक्त में मिलकर सूजन पैदा करते हैं और हृदय पर दबाव डालते हैं।

घर के अंदर धूम्रपान या कुछ जलाना

बहुत से लोगों को मालूम है कि घर के अंदर धूम्रपान करना या धूपबत्ती/मच्छर कॉइल जलाना इनडोर प्रदूषण को बढ़ा देता है।

ये चार गलतियां बढ़ा देती हैं एनीमिया का खतरा इन्हें नजरअंदाज करना पड़ सकता है भारी

एनीमिया यानी खून की कमी एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर में पर्याप्त मात्रा में स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाएं या हीमोग्लोबिन नहीं बन पाता है। हीमोग्लोबिन ही वह प्रोटीन है जो फेफड़ों से ऑक्सीजन लेकर शरीर के सभी अंगों तक पहुंचाता है। इसकी कमी होने पर शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती, जिससे लगातार थकान, कमजोरी, सांस फूलना और त्वचा का पीला पड़ना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। एनीमिया आमतौर पर आयरन, विटामिन बी12, या फोलेट की कमी के कारण होता है। हैरानी की बात यह है कि यह कमी अक्सर हमारी रोजमर्रा की जीवनशैली की कुछ सामान्य गलतियों के कारण पैदा होती है। इन गलतियों को लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन लंबे समय तक ये आदतें आपके स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे में आइए इस लेख में कुछ ऐसी आदतों के बारे में जानते हैं जिन्हें पहचानकर आप उनमें सुधार कर सकते हैं और एनीमिया के खतरे को बहुत हद तक कम कर सकते हैं। इतना ही नहीं इन आदतों में सुधार करके आप अपने एनर्जी लेवल को भी सुधार सकते हैं।

भोजन के साथ चाय या कॉफी पीना

भोजन करने के तुरंत बाद या भोजन के साथ चाय या कॉफी पीने की आदत आयरन की कमी वाले एनीमिया का खतरा बढ़ाती है। चाय और कॉफी में टैनिन और पॉलीफेनोल्स नाम का कंपाउंड होते हैं। ये कंपाउंड भोजन में मौजूद आयरन के अवशोषण को 50% तक कम कर देते हैं। इसलिए कभी भी भोजन करके के कम से कम 2-3 घंटे बाद ही चाय पीना चाहिए।

विटामिन सी से भरपूर खाद्य पदार्थ न खाना

शरीर को भोजन से आयरन अवशोषित करने के लिए विटामिन सी की आवश्यकता होती है। अगर आप अपनी डाइट में खट्टे फल, शिमला मिर्च, या टमाटर जैसे विटामिन सी से भरपूर खाद्य पदार्थ पर्याप्त मात्रा में नहीं खाते हैं, तो आपके शरीर में आयरन का अवशोषण ठीक से नहीं हो पाता है।

अनियमित और क्रैश डाइटिंग

अनियमित भोजन या अचानक बहुत सख्त क्रैश डाइटिंग करने से शरीर को आवश्यक पोषक तत्व नहीं मिल पाते। विशेष रूप से अचानक डाइट बदलने पर शरीर को पर्याप्त आयरन, विटामिन बी12, और फोलेट नहीं मिलता, जो लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

डॉक्टर की सलाह के बिना कैल्शियम सप्लीमेंट लेना

अक्सर कुछ लोग अपने आप से कैल्शियम सप्लीमेंट लेना शुरू कर देते हैं। आप बिना जरूरत के या गलत समय पर कैल्शियम सप्लीमेंट्स लेते हैं, तो यह आयरन के अवशोषण को प्रभावित कर सकता है।

दूसरे दिन का खेल समाप्त, भारत का स्कोर 9/0, दक्षिण अफ्रीका से 480 रन पीछे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। दूसरा दिन पूरी तरह दक्षिण अफ्रीका के नाम रहा, विशेषकर मुथुसामी ने भारतीय गेंदबाजों को परेशान किया। दिन के खेल की समाप्ति तक भारत ने पहली पारी में बिना किसी नुकसान ने नौ रन बनाए हैं और वह फिलहाल दक्षिण अफ्रीका से 480 रन पीछे चल रहा है। स्टंप्स के समय यशस्वी जायसवाल सात और केएल राहुल दो रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 489 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी ऑलआउट करने के बाद यशस्वी और राहुल ने सधी हुई बल्लेबाजी की। खराब रोशनी के कारण थोड़ी दिक्कतें हो रही थी, लेकिन इन दोनों सलामी बल्लेबाजों ने सुनिश्चित किया कि दक्षिण अफ्रीका को कोई सफलता नहीं मिल सके। तीसरे दिन भारतीय बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका पर बढ़त लेने के इरादे से उतरेंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की पहली पारी शुरू हो गई है। भारत के लिए यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल पारी की शुरूआत करने उतरे हैं। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 489 रन बनाए।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 489 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और भारतीय गेंदबाजों को जमकर परेशान किया। दक्षिण अफ्रीका के लिए मुथुसामी ने शतक लगाया, जबकि मार्को यानसेन 93 रन बनाकर आउट हुए। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे दिन छह विकेट पर 247 रन से आगे पारी बढ़ाई। मुथुसामी ने पहले वेरेने के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए 88 रनों की साझेदारी की और फिर यानसेन के साथ आठवें विकेट के लिए 97 रन जोड़े। मुथुसामी ने करियर का पहला टेस्ट शतक लगाया जिससे दक्षिण अफ्रीका बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहा। भारत की गेंदबाजी इतनी खराब रही कि टीम को चार विकेट लेने में तीन सत्र लग गए। कुलदीप ने हालांकि, यानसेन को आउट कर दक्षिण अफ्रीका की पारी ऑलआउट कर दी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से मुथुसामी ने सबसे ज्यादा 109 रन बनाए, जबकि काइल वेरेने 45 रन बनाकर आउट हुए। भारत के लिए कुलदीप यादव को चार विकेट मिले, जबकि बुमराह, सिराज और जडेजा को दो-दो सफलता मिली। यानसेन की ताबड़तोड़ पारी जारी है जिससे दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 480 रन पहुंच गया है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के नौ विकेट गिरा दिए हैं, लेकिन यानसेन गेंदबाजों के सामने टिके हुए हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने साइमन हार्मर को बोल्ड कर भारत को नौवीं सफलता दिलाई है।

हार्मर पांच रन बनाकर आउट हुए। मार्को यानसेन हालांकि, 78 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। भारत के खिलाफ पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 450 रन के पार पहुंच गया है। मार्को यानसेन ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर रहे हैं और लगातार बाउंड्री लगा रहे हैं। मोहम्मद सिराज ने मुथुसामी को आउट कर भारत को आठवीं सफलता दिलाई है। मुथुसामी शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन सिराज की गेंद पर फाइन लेग में खड़े यशस्वी जायसवाल को कैच थमा बैठे। मुथुसामी 206 गेंदों पर 10 चौकों और दो छक्कों की मदद से 109 रन बनाकर आउट हुए। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन तीसरे सत्र का खेल शुरू हो गया है। दक्षिण अफ्रीका के लिए मुथुसामी और यानसेन क्रीज पर मौजूद है। दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 430 रन के पार पहुंच गया है। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे दिन दूसरे सत्र में भी अपना दम दिखाया और भारतीय गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसा दिया। दक्षिण अफ्रीका ने लंच ब्रेक तक पहली पारी में सात विकेट पर 428 रन बनाए हैं। फिलहाल सेनुरन मुथुसामी 107 रन और मार्को यानसेन 51 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। दोनों बल्लेबाजों के बीच आठवें विकेट के लिए अब तक 94 रनों की साझेदारी हो चुकी है। भारत को दूसरे सत्र में सिर्फ एक सफलता मिली। जडेजा ने काइल वेरेने को आउट किया जो 45 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मुथुसामी और यानसेन ने दक्षिण अफ्रीका के लिए पारी आगे बढ़ाई और स्कोर 400 के पार पहुंचा दिया। मार्को यानसेन ने भारत के खिलाफ पहली पारी में अर्धशतक लगा दिया है। यानसेन और मुथुसामी के बीच आठवें विकेट के लिए शानदार साझेदारी पनप रही है। दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 420 रन के पार पहुंच गया है।

श्रम संहिताओं बदलावकारी कदम, लाखों श्रमिकों को मिलेंगे दूरगामी फायदे: स्विगी

एजेंसी

नई दिल्ली। स्विगी लिमिटेड ने शनिवार को कहा कि चार श्रम संहिताओं का लागू होना एक बदलावकारी कदम है, जिससे लाखों श्रमिकों को दूरगामी एग्रीगेटर की परिभाषाएं दी गई हैं। नियमों के अनुसार एग्रीगेटर कंपनियों को अपने सालाना कारोबार का 1-2 प्रतिशत (अधिकतम पांच प्रतिशत तक की सीमा के साथ) गिग और मंच श्रमिकों को दिए

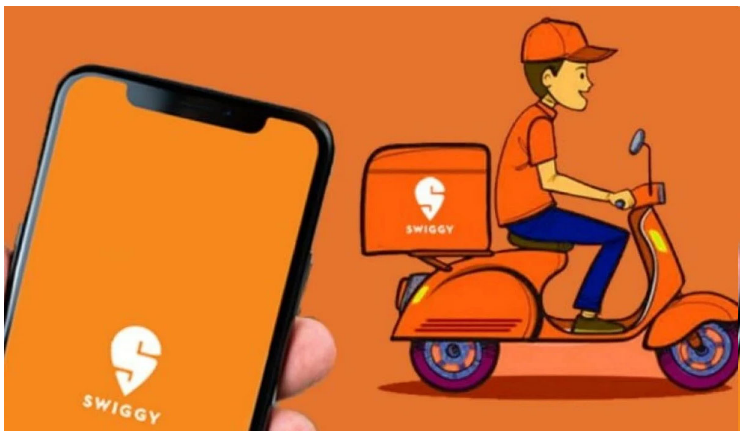

फायदे मिलेंगे। स्विगी ने एक आधुनिक और समावेशी सामाजिक सुरक्षा तंत्र बनाने के सरकार के नजरिये का समर्थन किया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसे सीओएसएस (सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020) से अपने व्यवसाय के टिकाऊपन, लागत ढांचे या दीर्घावधि वित्तीय प्रदर्शन पर कोई खास असर पड़ने की आशंका नहीं है।

सरकार ने शुक्रवार को चारों श्रम संहिताओं को अधिसूचित किया, जिनके जरिए मौजूदा 29 श्रम कानूनों को एकीकृत किया गया है। ये संहिताएं - वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं संहिता 2020 हैं। नयी संहिताओं में पहली बार गिग कार्य, मंच कार्य और जाने वाले भुगतान के आधार पर सामाजिक सुरक्षा कोष में जमा करना होगा। स्विगी ने कहा, यह सुधार भारत के कल्याण और नियामकीय प्रारूप में एक बड़ा बदलाव है। यह एक ऐसा सामाजिक सुरक्षा ढांचा बनाने की दिशा में बड़ा कदम है, जो सबको साथ लेकर चलने वाला है। यह औपचारिक नौकरी, असंगठित क्षेत्र और तेजी से बढ़ती मंच अर्थव्यवस्था तक फैला हुआ है। कंपनी ने कहा, हम इस पल की अहमियत और इन सुधारों से लाखों श्रमिकों को होने वाले बड़े फायदों को समझते हैं। कंपनी ने आगे कहा कि ये पहल कंपनी के इस विश्वास को दिखाती है कि मंच अर्थव्यवस्था को जिम्मेदारी से, इंसानियत के साथ और लंबे समय तक समाज की भलाई के लिए आगे बढ़ना चाहिए।

लक्ष्य सेन ने आस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के लक्ष्य सेन ने रविवार को यहां 475,000 डॉलर इनामी आस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराकर सत्र का अपना पहला खिताब जीतकर अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर मुश्किल दौर का अंत किया। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद खराब दौर से गुजरने वाले अल्मोड़ा के 24 वर्षीय खिलाड़ी सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 26 वर्षीय तनाका को 38 मिनट में 21-15, 21-11 से हराया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने इससे पहले आखिरी बार 2024 में लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल में सुपर 300 खिताब जीता था। वह इस साल सितंबर में हांगकांग सुपर 500 में उपविजेता रहे थे। इस वर्ष ऑर्लियंस मास्टर्स सुपर 300 खिताब जीतने वाले विश्व के 26वें नंबर के खिलाड़ी तनाका का सामना करते हुए लक्ष्य ने शानदार नियंत्रण और तेज तर्रार खेल का नमूना पेश किया तथा एक भी गेम गंवाए बिना मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ मौजूदा राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन लक्ष्य इस सत्र में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय बन गए। इससे पहले आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट जीता था। भारत के अन्य खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हांगकांग और चीन मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे थे, जबकि किदाम्बी श्रीकांत भी साल की शुरूआत में मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे थे।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने मक्का, मूंग की कीमतों में गिरावट पर केंद्र से दखल की मांग की

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर राज्य में मक्का और मूंग की कीमतों में भारी गिरावट की ओर उनका ध्यान आकर्षित

किया। सिद्धरमैया ने कहा कि इस गिरावट से किसानों में गहरी चिंता पैदा हो गई है। सिद्धरमैया ने शुक्रवार को लिखे गए पत्र में कहा कि इस खरीफ मौसम में कर्नाटक में मक्का 17.94 लाख हेक्टेयर और मूंग 4.16 लाख हेक्टेयर में उगाई गई थी। किसानों को उम्मीद थी कि मक्का की पैदावार 54.74 लाख टन और मूंग की पैदावार 1.983 लाख टन होगी। लेकिन कीमतें गिरने के कारण किसान संकट में फंस गए हैं। सिद्धरमैया ने लिखा, कीमतें भारत सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से बहुत नीचे गिर गई हैं, जिससे किसानों में व्यापक चिंता और परेशानियां पैदा हो गई हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने मक्का के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2,400 रुपये प्रति टन और मूंग के लिए 28,768 रुपये प्रति टन तय किया है। लेकिन कर्नाटक में मक्का की मौजूदा कीमतें 1,600 से 1,800 रुपये प्रति टन और मूंग की कीमत लगभग 5,400 रुपये प्रति टन तक गिर गई हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों की औसत कीमतें भी एमएसपी से अधिक रही हैं, लेकिन बाहरी दबाव और मांग-आपूर्ति में असंतुलन के कारण कीमतें अब रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिर गई हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, कर्नाटक में मक्का का 32 लाख टन अतिरिक्त उत्पादन है, जो स्थानीय उद्योगों की क्षमता से बहुत अधिक है। सिद्धरमैया ने प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह किया कि वे भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (एनएएफईडी), भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) को निर्देश दें कि वे मूल्य समर्थन योजना या किसी अन्य उचित व्यवस्था के तहत एमएसपी के अनुसार खरीदारी तुरंत शुरू करें। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में सिद्धरमैया से पूछा कि राज्य ने चयनित एथनॉल उत्पादन इकाइयों को राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ / राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ के साथ बाध्यकारी समझौते करने का निर्देश क्यों नहीं दिया, ताकि एथनॉल उत्पादन के लिए मक्का की सुनिश्चित खरीद हो सके। जोशी ने कहा कि ये एथनॉल उत्पादन इकाइयां, जिन्हें राज्य सरकार ने लाइसेंस दिया था, उन्हें एनसीसीएफ/ एनएएफईडी के साथ गारंटीकृत खरीद के लिए औपचारिक समझौते करने का निर्देश दिया जाना चाहिए था, जो अब तक नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि इसके लिए मानक संचालन प्रक्रिया संबंधित हितधारकों में वितरित की गई थी। उन्होंने सवाल किया, अंगुली उठाने से पहले कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को जवाब देना चाहिए कि राज्य सरकार ने एथनॉल उत्पादन इकाइयों को किसानों से मक्का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने के लिए अनिवार्य क्यों नहीं किया?

संक्षिप्त समाचार

सत्ता द्वारा चुनाव आयोग का दुरूपयोग लोकतन्त्र के लिए खतरा: शाहनवाज कादरी

लखनऊ (संवाददाता)। लोकबन्धु राजनारायण के 108वें जन्म दिवस कार्यक्रम लोकबन्धु राजनारायण के लोग ट्रस्ट के कन्धारी लेन स्थित कार्यालय में संस्था के मुख्य ट्रस्टी, लेखक शाहनवाज अहमद कादरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता सैय्यद सिराज अहमद उर्फ शब्बू भाई ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी हिन्दुस्तानी से हिन्दुस्तानी होने का प्रमाण मांगना संविधान का अपमान है। एक हिन्दुस्तानी के रूप में हम यह अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। हिन्दुस्तान के इस अपमान के खिलाफ सत्याग्रह ही लोकबन्धु राजनारायण को सच्ची श्रद्धांजली है। कार्यक्रम में लोकबन्धु राजनारायण के लोग ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी एवं संयोजक श्री शाहनवाज अहमद कादरी ने कहा कि नफरत के खिलाफ लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना के लिए राजनारायण जी के कदमों पर चलकर ही देश का लोकतंत्र सुरक्षित किया जा सकता है। श्री कादरी ने कहा कि यदि वर्तमान समय में लोकबन्धु राजनारायण जी जीवित होते तो वोट की खुलेआम चोरी के खिलाफ जन आंदोलन कर इस पर लगाम लगाने का काम करते आज सरकार व लोकशाही में महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हुए लोग भी गैर संवैधानिक आचरण कर रहें है। देश ऐसे लोगों को माफ नहीं करेगा। कार्यक्रम में उपस्थित वसीम अहमद सिद्दीकी (अधिवक्ता), आलोक त्रिपाठी, प्रदीप कुमार, मोहम्मद परवेज अंसारी,सुहेल खान (पत्रकार), किफायतुल्लाह खान नदवी, अमन कुमार, शीबान अहमद, श्री नुरूल हसन, नदीम इकबाल सिद्दीकी, नैय्यर अहतेशाम, असलम बाबू एवं मो कमर (अधिवक्ता) ने अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

गुरु का ताल गुरुद्वारा का होगा समेकित पर्यटन विकास, 2 करोड़ मंजूर

लखनऊ (संवाददाता)। धार्मिक स्वतंत्रता के अमर प्रतीक गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी वर्ष पर उत्तर प्रदेश ने सिख विरासत को सम्मान देते हुए आगरा स्थित गुरु का ताल गुरुद्वारा के समेकित पर्यटन विकास को नई गति दी है। इतिहास साक्षी है कि गुरु तेग बहादुर ने अपने आगरा प्रवास के दौरान यहां विश्राम किया था। इसी ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व को संरक्षित करते हुए राज्य सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों के विकास मद से 2 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत किए हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि सिख धर्म के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर अदम्य साहस, मानवता के प्रतीक रहे हैं। उनका बलिदान हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है। गुरु तज बहादुर की वीरता और मूल्यों के कारण उन्हें भारत का कवच और हिन्द दी चादर जैसे उपनाम प्राप्त हुए, जो आज भी समाज को सत्य, करुणा और न्याय के मार्ग पर अग्रसर करते हैं।पर्यटन के लिहाज से आगरा उत्तर प्रदेश का प्रमुख केंद्र रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, एनसीआर, लखनऊ और बुंदेलखंड क्षेत्र के करीब होने का फायदा भी पर्यटकों को मिलता है। विभिन्न रास्तों से आगरा तक पहुंचना सुलभ है। वर्ष 2024 में आगरा आने वाले पर्यटकों की संख्या करीब 1.78 करोड़ रही थी, जो वर्ष 2025 के जनवरी से जून तक 77,09,078 रही। प्रतिवर्ष देश ही नहीं दुनियाभर से बड़ी संख्या में पर्यटकों का आगरा आगमन होता है, जिससे न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है, बल्कि रोजगार के भी रास्ते खुले हैं।उत्तर प्रदेश का आगरा जिला पर्यटन मानचित्र पर चमकता ध्रुव तारा है। समृद्ध प्राचीन विरासत, विविध आध्यात्मिक स्थलों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित पर्यटन आकर्षणों की बदौलत यह जनपद देश-विदेश के यात्रियों के लिए एक अद्वितीय गंतव्य बन गया है। ताजमहल, आगरा किला, फतेहपुर सीकरी जैसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों के साथ, प्रदेश का पर्यटन विभाग सर्वधर्म समभाव की भावना पर चलते हुए उत्तर प्रदेश की बहुआयामी आस्था-परंपराओं को सुरक्षा, सम्मान और नए विकास अवसरों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

युवाओं को नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा प्रदान करती है श्रीमद्भागवत-किरीट

लखनऊ (संवाददाता)। बीरबल साहनी मार्ग स्थित श्री श्याम मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय दिन का रसपान ब्रह्मर्षि किरीट भाई द्वारा श्रीहरि भक्तों कराया गया।श्रीमद्भागवत कथा युवाओं के लिए सांसारिक मोह, शोक और भय से मुक्ति दिलाने के साथ-साथ जीवन जीने की कला और मूल्यों को सिखाती है। यह कथा भगवान कृष्ण की लीलाओं के माध्यम से प्रेम, करुणा और दया जैसे जीवन के वास्तविक भावों को समझने में मदद करती है, जिससे वे एक आदर्श समाज के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। यह नैतिक और आध्यात्मिक शिक्षा प्रदान करती है जो युवा पीढ़ी को भ्रष्टाचार और सामाजिक कुरीतियों से बचा सकती है सनातन धर्म ही सर्वोपरि है, जो हमें जीवन के सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस कथा के माध्यम से लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान और शांति प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। श्रीमद् भागवत कथा में महात्म्य और प्रथम स्कन्ध का विशेष महत्व है। भागवत महात्म्य के अनुसार, कलियुग में जहाँ-जहाँ पावन भागवत शास्त्र रहता है, वहाँ भगवान विष्णु देवताओं के साथ उपस्थित रहते हैं। भागवत कथा सुनने से मोक्ष की प्राप्ति होती है और यह जीवन को सही मार्ग पर ले जाने में सहायक है।

बीजेपी ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोले, समाज को भ्रमित कर रहे राहुल गांधी

लखनऊ (संवाददाता)। वाराणसी में भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण ने कहा कि जनगणना में जाति आधारित आंकड़े शामिल करने का निर्णय ऐतिहासिक है। स्वतंत्रता के बाद का सबसे बड़ा सुधार है। ओबीसी समाज के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दशकों पुरानी ओबीसी समाज की मांग को पूरा कर सामाजिक न्याय की दिशा में निर्णायक कदम उठाया है। देश की आजादी के बाद पहली बार 2026 की जनगणना में जाति को जोड़ा जा रहा है। यह ओबीसी समाज की दशकों पुरानी माँग थी। प्रधानमंत्री मोदी जी ने ऐतिहासिक साहसिक निर्णय लिया है। पूरा ओबीसी समाज इसके लिए उनका आभार व्यक्त करता है। रविवार को भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण वाराणसी पहुंचे। एयरपोर्ट पर भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष समेत तमाम कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

योगी सरकार ने उपभोक्ताओं को दी बड़ी राहत, यूपी में नहीं बढ़ेगी बिजली की दरें

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने प्रदेश के

उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए लगातार छठे वर्ष बिजली दरों को यथावत रखने का निर्णय लिया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए भी बिजली दरें नहीं बढ़ेंगी। उल्लेखनीय है कि राज्य में आखिरी बार बिजली की दरें वर्ष 2019-20 में संशोधित हुई थीं। यही नहीं, आयोग ने नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड के उपभोक्ताओं के लिए भी मौजूदा दरें जारी रखने और 10 प्रतिशत छूट को आगे बढ़ाने का आदेश दिया है। आयोग ने यह फैसला विभिन्न डिस्कॉम के वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं बिजली दरों पर विस्तृत सुनवाई के बाद दिया। यूपी पावर कारपोरेशन लिमिटेड ने आयोग के सामने इस वर्ष बिजली दरों में 45: तक बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा था। बिजली कंपनियों का तर्क था कि उन पर लगभग 25 हजार करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। हालांकि, उपभोक्ता परिषद ने दर वृद्धि का जोरदार विरोध किया और बताया कि उपभोक्ताओं की तरफ से कंपनियों पर कुल 33,122 करोड़ रुपये का सरप्लस है, जो इस वर्ष बढ़कर 51,714 करोड़ रुपये हो गया है। परिषद का कहना था कि लाभ अधिक है, इसलिए कीमतें बढ़ाने का कोई औचित्य नहीं बनता। आयोग ने यूपीपीसीएल को निर्देश दिया है कि वितरण हानि, जो 2024-25 में 13.78: थी, उसे 2029-30 तक घटाकर 10.7: तक लाया जाए। ग्रीन एनर्जी टैरिफ में भी कटौती करते हुए एचवी उपभोक्ताओं के लिए यह दर 0.36 रुपये से घटाकर 0.34 रुपये प्रति यूनिट तथा स्ट उपभोक्ताओं के लिए 0.17 रुपये प्रति यूनिट निर्धारित की गई है। साथ ही, सिक्योरिटी डिपॉजिट पर ब्याज से काटे गए ज्वै के संबंध में उपभोक्ताओं को सर्टिफिकेट जारी करने का आदेश दिया गया है, ताकि वे ऑनलाइन पोर्टल पर इसे डाउनलोड कर सकें। आयोग ने पांच राज्य वितरण निगमों के लिए 163,778.24 मिलियन यूनिट बिजली खरीद के लिए 1,10,993.33 करोड़ रुपये एआरआर को मंजूरी दी है। बिजली कंपनियों द्वारा भेजे गए अधिक दावों को आंशिक रूप से खारिज कर आयोग ने 13.35: वितरण हानि तक ही मंजूर किया है। राज्य सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को दी जाने वाली 17,100 करोड़ रुपये की सब्सिडी को भी स्वीकृति मिली है। इस राजस्व मॉडल के आधार पर इस वित्तीय वर्ष में 7,710.04 करोड़ रुपये का रेगुलेटरी गैप बनेगा। लाइफलाइन उपभोक्ताओं (ग्रामीण व शहरी) तथा निजी नलकूप वाले किसानों को पिछले वर्ष की तरह ही सब्सिडी मिलती रहेगी। आयोग ने बिजली कंपनियों को पीएएन विवरण अपडेट करने और ज्वै संबंधी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया है। प्रदर्शन मूल्यांकन में मध्यांचल एवं पश्चिमांचल निगम ने लक्ष्य हासिल किया है, जबकि पूर्वांचल और दक्षिणांचल निगम का प्रदर्शन सबसे कमजोर पाया गया।

परिवार के 12 लोग पेट्रोल लेकर सुसाइड करने पहुंचे, पुलिस पकड़कर ले गई

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में एक परिवार के 12 लोग पेट्रोल लेकर सुसाइड

करने के लिए पहुंचे। परिवार सीएम आवास की ओर बढ़ रहा था।

रविवार दोपहर लालबत्ती चैराहे पर पुलिस चेकिंग कर रही थी। उन्हें देखकर पुलिस को शक हो गया। इसके बाद पुलिस ने तलाशी ली, तो उनके पास से पेट्रोल मिला। इसके बाद सभी को हिरासत में लेकर गौतमपल्ली थाने ले गई। उनसे पूछताछ की जा रही है। परिवार उन्नाव के लोणारी खेड़ा थाना क्षेत्र के असीमन गांव का रहने वाला है। 12 लोगों में 6 नाबालिग हैं। परिवार के दो लड़कों पर बगल के गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने शनिवार को बेटी से छेड़खानी की एफआईआर दर्ज कराई थी। असीमन निवासी कप्तान यादव ने बताया, बगल के गांव में रहने वाला एक परिवार हमें मारना चाहता है। ये लोग शराब पिलाकर फर्जी मुकदमे दर्ज करवाते हैं। 3 महीने पहले एससी-एसटी केस में भी फंसा चुके हैं। ये सभी लोग इलाके के लोगों को झूठे मुकदमों में फंसाने का काम करते हैं। इसकी शिकायत कई बार अफसरों से की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद हम लोगों ने सामूहिक आत्महत्या करने की योजना बनाई। हम लोग अपने साथ पेट्रोल लेकर आए थे, लेकिन पुलिस ने हमें पकड़ लिया। लड़की के पिता ने एफआईआर में लिखवाया 21 नवंबर की शाम 4 बजे मैं परिवार के साथ खेत में काम कर रहा था। मेरी 16 साल की बेटी नदी की ओर गई थी। वहां बगल के गांव के रहने वाले रोहित यादव पुत्र प्रताप और सरोज यादव पुत्र कप्तान यादव पहले से मौजूद थे। दोनों युवकों ने बेटी को गलत नीयत से देखा।

गीता जीवन का विज्ञान भी है और मृत्यु का भी समाधान: मोहन भागवत

लखनऊ (संवाददाता)। जनेश्वर मिश्र पार्क में दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया आज जिस तरह से डगमगा रही है, जिस प्रकार मूल्य, नीति और मानवता लड़खड़ा रही है,वैसा ही दृश्य महाभारत के युद्धभूमि में अर्जुन के सामने था। अर्जुन भ्रम, शोक और मोह से विल होकर युद्ध छोड़ने की स्थिति में पहुँच गया था, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण के गीताज्ञान ने अर्जुन के भीतर धर्म, साहस और कर्तव्य की प्रचंड ज्योति प्रज्वलित कर दी।भागवत ने कहा कि जीवन के अत्यंत विपत्ति-क्षणों में भी गीता वह दिव्य शास्त्र है, जो मनुष्य को अंधकार से बाहर खींचकर दृढ़ता, समाधान और निर्भयता प्रदान करती है उन्होंने स्पष्ट कहा कि, गीता केवल पढ़ने की वस्तु नहीं बल्कि जीने की प्रक्रिया हैजो गीता को अपनाएगा, संकट से उबरेगा। आज जब पूरी दुनिया अव्यवस्था, संघर्ष और नैतिक भ्रम से गुजर रही है, ऐसे समय में गीता ही वह शाश्वत मार्गदर्शक है जो मानवता को संतुलन और धर्म के पथ पर पुनः स्थापित कर सकती है।भागवत ने कहा कि गीता जीवन का विज्ञान भी है और मृत्यु का समाधान, इसलिए मनुष्य चाहे जिए या मरे गीता उसके अस्तित्व का आधार होनी चाहिए।

डीजीपी ने पुलिस झंडा दिवस पर योगी को लगाया फ्लैग पिन

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को रविवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर यहां पुलिस कलर (झंडा) लगाया। एक अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को रविवार को उनके यहां सरकारी आवास पांच, कालिदास मार्ग पर उत्तर प्रदेश पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर डीजीपी राजीव कृष्ण ने फ्लैग पिन लगाया। योगी आदित्यनाथ ने अपने

आधिकारिक एक्स खाते पर एक पोस्ट में कहा, कर्तव्यनिष्ठा, वीरता और सेवा-समर्पण की गौरवशाली परंपरा के प्रतीक पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर आज लखनऊ में उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कृष्ण जी ने पुलिस कलर (झंडा) लगाया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा उत्तर प्रदेश में शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल बनाए रखने में सतत योगदान देने वाले उत्तर प्रदेश पुलिस के सभी कर्मियों को पुलिस झंडा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। पोस्ट में मौर्य ने कहा, आपकी सतर्कता, प्रतिबद्धता और निरंतर सेवा ने प्रदेश में भरोसे और सुरक्षित वातावरण की नींव को और मजबूत किया है।

एआई आधारित 400 सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में होगा माघ मेला, 800 हेक्टेयर में बसेगा मेला

संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला इस बार 800 हेक्टेयर में बसाया जाएगा। मेला क्षेत्र का विस्तार किया जा रहा है जो अरेल से लेकर हटा पट्टी तक होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकार वार्ता में बताया कि मेले का आयोजन एआई आधारित कैमरे की निगरानी में होगा इसके लिए नगर विकास विभाग की ओर से 400 कैमरे लगाए जाएंगे जो स्वच्छता और सुरक्षा की निगरानी में सहायक होंगे।

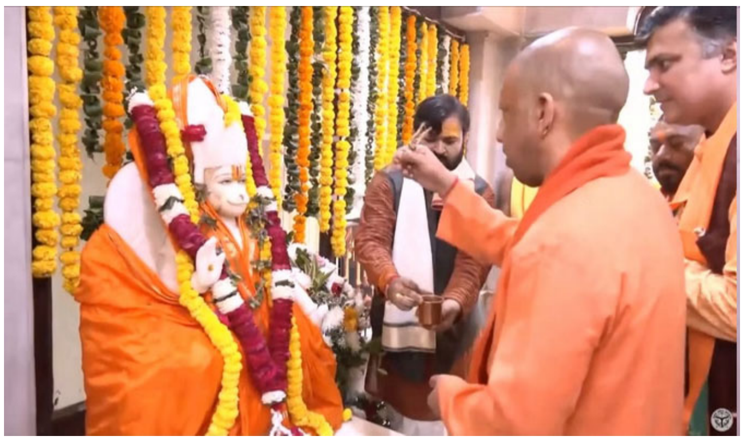

मेला क्षेत्र में 242 किलोमीटर पेयजल पाइपलाइन, 85 किलोमीटर सीवर लाइन 160 किलोमीटर मार्ग बिजली विभाग, 360 किलोमीटर की एलटी विद्युत लाइन लगाई जाएगी। इसके साथ ही साथ 20-20 बेड के दो अस्पताल बनाए जा रहे हैं। पुलिस लाइन का निर्माण भी शुरू कर दिया गया है। 42 पुलिस चौकी बनाई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने माघ मेले की तैयारियों का जायजा लिया। इसके बाद मां गंगा का विधि विधान से पूजन किया। साथ ही संगम तट पर स्थित श्री बड़े हनुमानजी का दर्शन पूजन किया। मंदिर में पूजन और गंगा पूजन के दौरान महंत बलवीर गिरि भी मौजूद रहे। मेले की तैयारियों की बैठक में मेला प्राधिकरण के मेलाधिकारी ऋषि राज व अन्य अधिकारियों ने प्रोजेक्टर के माध्यम से उन्हें अब तक हुई तैयारियों की जानकारी दी। जिसमें बताया गया कि पिछले माघ मेले की अपेक्षा इस बार 20 आगे काम चल रहा है। सभी पांटून पुल लगभग तैयार हैं। पिछले माघ मेले में अब तक पांटून बनाने का कार्य भी नहीं शुरू हुआ था। इसी तरह भूमि के समतलीकरण, घाटों की तैयारी भी काफी तेज है। मेले मे प्रकाश व्यवस्था के लिए कार्य जोरों पर चल रहा है। घाटों पर लाइटिंग भी कर दी गई है। सीएम योगी के साथ कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, दीपक पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीके सिंह, सांसद प्रवीण पटेल, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, पीयूष रंजन निषाद, सिद्धार्थनाथ सिंह समेत तमाम नेतागण मौजूद रहे। वीआईपी घाट पर पहुंचे सीएम ने फ्लोटिंग जेटी पर बैठकर गंगा पूजन किया। इस मौके पर मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल, पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार, डीएम मनीष कुमार वर्मा, एडिशनल सीपी अजय पाल शर्मा समेत तमाम अधिकारी मौजूद रहे।

विधायक के यहां कार्यक्रम में लिया हिस्सा

योगी आदित्यनाथ शहर उत्तरी के भाजपा विधायक हर्षवर्धन के आवास रामबाग में नवनिर्मित हनुमान मंदिर की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा में हिस्सा लिया।

पूर्व प्रधान के बेटे की गोली मारकर हत्या, दूसरे की हालत गंभीर, सपा नेता ने इसलिए किया मर्डर

संवाददाता

प्रयागराज। प्रतापगढ़ के कुंडा से सनसनीखेज मामला सामने आया है। कोतवाली के सरियावा में शनिवार की रात पड़ोसियों ने पूर्व प्रधान के दो बेटों को गोली मार दी। छोटे बेटे की घटनास्थल पर मौत हो गई, जबकि बड़े बेटे की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद प्रयागराज रेफर कर दिया। कोतवाली के सरियावा निवासी पूर्व प्रधान गुड्डू का बड़ा बेटा 25 वर्षीय एहतेशाम उर्फ साहिल प्रधानी के चुनाव की तैयारी कर रहा है। शनिवार की रात करीब 9:45 बजे वह अपने छोटे भाई 22 वर्षीय फुरकान के साथ घर के पास खड़ा था। शाम को बाइक हटाने के विवाद में पड़ोसी सपा समर्थक तनवीर मिल्की व अन्य लोगों से कुछ कहासुनी हुई थी। जिसे लेकर रात में फिर कहासुनी होने लगी। ग्रामीणों के अनुसार सपा से जिला पंचायत का चुनाव लड़ चुके तनवीर मिल्की अपने घर से असलहा लेकर पहुंचा। उसने दोनों भाइयों पर ताबड़तोड़ कई राउंड फायर किए। सिर और गले में गोली लगने के कारण फुरकान की मौके पर ही मौत हो गई जबकि साहिल गंभीर रूप से घायल हो गया। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़ कर पहुंचे। लोगों को आता देख हमलावर असलहा लहराते हुए घर की ओर भाग गए। आनन फानन में दोनों भाइयों को परिजन उपचार के लिए कुंडा सीएचसी ले गए।

जांच चिकित्सको ने फुरकान को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल साहिल को प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने प्रयागराज भेज दिया। खबर मिलते ही परिजन और पूर्व प्रधान के समर्थक अस्पताल पहुंचकर हंगामा करने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस लोगों को समझने का प्रयास करती रही लेकिन कोई कुछ भी सुनने को तैयार नहीं था। अस्पताल पहुंचे एएसपी बृजनंदन राय से परिजन आरोपियों का घर बुलडोजर से गिराने और एसपी को बुलाने की मांग करने लगे। मृतक के परिजन हत्या का आरोप सपा नेता तनवीर और उसके भाई भाजपा कार्यकर्ता के ऊपर लगा रहे थे। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी बृजनंदन राय का कहना है कि हत्यारोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

अवैध संबंध के विवाद में युवक ने लगाया था फंदा

संवाददाता

कौशांबी। कौशाम्बी कोतवाली के बैगवां फतेहपुर गांव निवासी अनिल कुमार(26) ने अवैध संबंधों के विवाद में बुधवार की शाम फंदा लगाकर आत्महत्या की थी। यह दावा मृतका की मां ने किया है। शनिवार को परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अनिल की पत्नी लक्ष्मी देवी, उसके कथित प्रेमी शैलेंद्र कुमार सरोज व ससुर मन्ना लाल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बैगवां फतेहपुर निवासी शांति देवी ने आरोप लगाते हुए बताया कि बेटे अनिल कुमार की पत्नी लक्ष्मी देवी पिछले छह वर्षों से अपने मायके के कथित प्रेमी शैलेंद्र कुमार सरोज के संपर्क में थी। परिजनों का कहना है कि पत्नी और उसके प्रेमी के बीच मिलने-जुलने की बातें कई बार सामने आई थी। जिसे लेकर अनिल मानसिक रूप से परेशान रहता था। कई बार समझाने के बावजूद लक्ष्मी देवी का व्यवहार नहीं सुधर रहा था। शांति देवी ने बताया कि 19 नवंबर की शाम करीब चार बजे अनिल कुमार का पत्नी से विवाद हुआ था। उस दौरान अनिल ने कहा था कि ऐसा गलत काम बंद करो, नहीं तो मैं फंदा लगाकर जान दे दूंगा। इस पर लक्ष्मी देवी ने कथित रूप से जवाब दिया कि जाओ, मर जाओ, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।

किसी तरह बनी टंकी... छह माह के बाद भी पानी का नहीं हो सका इंतजाम

संवाददाता

कौशांबी। सरसवां ब्लॉक क्षेत्र की रायपुर उपरहार पेयजल योजना का काम किसी तरह पूरा होने के बाद भी जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी है।

वजह महज 10 मीटर के आउटलेट का निर्माण नहीं करना है। ऐसे में पांच करोड़ की योजना छह माह से धूल फांक रही है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 496.30 लाख रुपये की लागत से रायपुर उपरहार पेयजल परियोजना का निर्माण किया गया है। हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए बनाई गई परियोजना से पलरा, सेंगरहा, रायपुर, पोतनिहा का पूरा, घासीपुर, कोरियन पूरा के हजारों ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल आपूर्ति प्रस्तावित है। पूर्व में निर्धारित की गई समय सीमा के मुताबिक 31 मार्च 2024 तक कार्य पूरा हो जाना चाहिए था लेकिन लापरवाही की वजह से एक साल बाद काम पूरा हो सका। पंप हाउस, ओवरहेड टंकी, विद्युत कनेक्शन, पाइपलाइन फिटिंग आदि सभी काम पूरे हो चुके हैं। टंकी में पानी भरकर परीक्षण भी हो चुका है। अब केवल 10 मीटर का एक आउटलेट पाइप टंकी से सप्लाई लाइन में जोड़ना बाकी है। मामले की जानकारी होने पर जल निगम के सहायक अभियंता रामेश्वर निराला ने बताया कि कार्यदाई संस्था बाबा इंफ्रा के प्रतिनिधि से जवाब मांगा गया था।

जल निगम के अधूरे कार्यों पर कार्रवाई की मांग, सर्वे रिपोर्ट तैयार

संवाददाता

कौशांबी। जल निगम कर्मी सूरज पटेल ने उदहिन बुजुर्ग, उदहिन खुर्द सहित कई प्रभावित गांवों में शनिवार को अधूरी टंकियों और पाइपलाइन की स्थिति का जायजा लेकर सर्वे रिपोर्ट तैयार की। अजय सोनी ने बताया कि करीब दो वर्ष बीतने के बाद भी जलापूर्ति शुरू न होने से ग्रामीण पेयजल संकट झेल रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द जलापूर्ति बहाल नहीं की गई तो प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर तमाम लोग मौजूद रहे।

शिविर में भरा गया एसआईआर फॉर्म

संवाददाता

कौशांबी। मनौरी गांव में शनिवार को विशेष शिविर लगाकर ग्रामीणों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) फॉर्म भरे गए। इस दौरान शहर पश्चिमी के सपा नेता रमाकांत सिंह पटेल ने ग्रामीणों से कहा कि ऐसे शिविर गांव-गांव लगने से लोगों को इसका लाभ आसानी से मिल सकेगा। शिविर में बीएलओ लेखराज सिंह ने प्रत्येक आवेदक का विवरण ध्यानपूर्वक दर्ज कर एसआईआर फॉर्म भराए। इस मौके पर शब्बर अली, तौफीक अहमद, मोहम्मद जावेद, इरफान अहमद, सोना, अंसार अहमद, वसीम अहमद, अजमत अली और मोहम्मद शाहिद आदि मौजूद रहे।

बीएलओ का काम करने से मना करने पर शिक्षक निलंबित

निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण कार्य में सहयोग न करने पर सिराथू क्षेत्र में तैनात सहायक अध्यापक को निलंबित कर दिया गया है। एसडीएम सिराथू की आख्या रिपोर्ट के अनुसार रिषि कुमार त्रिपाठी, बीएलओ भाग-286 (उच्च प्राथमिक विद्यालय सयारा मीठेपुर) को कई बार निर्देश के बावजूद गणना प्रपत्र लेने और कार्य शुरू करने के लिए कहा गया लेकिन उन्होंने निर्वाचन कार्य करने से इन्कार कर दिया। बीएसए डॉ. कमलेंद्र कुशवाहा ने इसे निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में बाधा मानते हुए शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। अधिकारियों का कहना है कि निर्वाचन कार्य में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बीएलओ को जनपद स्तर पर सम्मानित भी किया जाएगा।

निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन सात फरवरी को

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी किया गया है। इसकी तिथि एक जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। एसडीएम मंझनपुर एसपी वर्मा ने बताया कि चार दिसंबर तक गणना का कार्य चलेगा। निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन नौ दिसंबर को होगा। दावा-आपत्तियां नौ दिसंबर से आठ जनवरी तक प्राप्त की जाएंगी। आयोग के अनुसार अंतिम प्रकाशन सात फरवरी 2026 को किया जाएगा।

अपार आईडी अपडेट में जिला अव्वल

संवाददाता

कौशांबी। विद्यार्थियों के शैक्षणिक रिकॉर्ड को एकीकृत करने के लिए चल रहे आधार सत्यापन एवं अपार (एक्सेसिबल पब्लिक अकाउंट फॉर अवतार एंड रिकॉर्ड) अपडेट अभियान में कौशाम्बी ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। बीएसए डॉ. कमलेंद्र कुशवाहा ने बताया कि यह सफलता सभी शिक्षकों के प्रयास का फल है। प्रदेश में जहां औसत कार्य 40 फीसदी का रहा। वहीं कौशाम्बी में 80 फीसदी काम हुआ है। डेटा प्रविष्टि कार्य 100 फीसदी समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाना ही सफलता का आधार रहा। जिले में शासन ने बीईओ और डीआईओएस को प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा का निर्देश दिया था। इससे कार्य और बेहतर हुआ।

3.50 लाख के सीसीटीवी कैमरे...एक साल में चली गई नजर

संवाददाता

कौशांबी। अपराधिक घटनाओं पर निगरानी व सुरक्षा को लेकर कस्बे में दो साल पहले करीब 3.50 लाख रुपये की लागत से 23 स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। इनमें में 20 कैमरे एक साल से खराब हैं। इस वजह से अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। शासन ने सार्वजनिक स्थानों और सरकारी कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देश दिए थे। इसे देखते हुए नगर पंचायत की ओर से करीब दो साल पहले 3.50 लाख रुपये की लागत से मुख्य चौराहा सहित लगभग 23 स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए थे। इधर, एक साल में ही मुख्य चौराहे से लेकर करीब 12 स्थानों पर लगे कैमरों की रोशनी चली गई। बीते छह जुलाई को कस्बे के सोनारनटोला, अल्लामा जवादी, डॉ. रिजवी कॉलेज, करारी इंटर कॉलेज तिराहा, एसबीआई, बैंक ऑफ बड़ौदा सहित 20 जगह के कैमरे खराब होने की खबर प्रकाशित की गई थी। पड़ताल के दौरान कई जगह पर लगे कैमरों को अराजकतत्वों ने तोड़ दिया था। इतने दिन बीतने के बाद भी आज तक इन कैमरों की मरम्मत नहीं कराई जा सकी है। इससे कस्बे होने वाली घटनाओं की जानकारी नहीं हो पाती।

करारी कोतवाली के गेट पर भी लगा कैमरा गायब

कोतवाली के मुख्य गेट पर पुलिस ने सीसीटीवी कैमरा लगवाया था, ताकि गेट के सामने से गुजरने वाले अराजकतत्वों के बारे में जानकारी हो सके। बताते हैं कि लगने के बाद ही सीसीटीवी कैमरा गायब हो गया।

कोतवाली गेट पर कैमरा न होने से पुलिस अपराधी को नहीं पकड़ पाती। जबकि, इतने दिनों में चोरी की कई घटनाएं हो चुकी है। दो साल पहले थाना गेट के पास से बदमाश चार पहिया वाहन में बकरा भरकर भाग गए थे।

Goa nightclub fire started on first floor, most victims were trapped in basement with nowhere to go

Goa nightclub fire incident news: Investigators probing the fire which broke out at a nightclub in North Goa's Arpora late Saturday night, killing 25 people and injuring six, said a preliminary inquiry suggests most victims died of suffocation as they were "trapped" in the club's basement area. The fire appears to have started on the club's first floor and later engulfed the entire premises, according to the preliminary probe.

The basement of the nightclub, which housed the kitchen, leads to the first floor via two staircases on either side. The first-floor exit opens onto a narrow bridge on two sides, the front and rear, and is surrounded by khazans – low-lying lands used for agriculture and aquaculture – near the Baga River.

With no exit door or ventilation in the basement area, many who had been employed at the club and working in the kitchen and some patrons seeking shelter in the basement from fire on the first floor, seemed to have suffocated to death, investigators said.

Though the police initially received information regarding "a cylinder blast", the injuries to the victims do not suggest that the fire was caused by a cylinder blast, said a senior police officer, requesting anonymity.

The police said 25 people were killed, including four tourists and 14 staff members of the club, in the midnight blaze at Birch by Romeo Lane at Arpora. The identity of seven deceased is yet to be established, while six people are injured and undergoing treatment. The cause of the fire is yet to be ascertained, said the police in a statement.

CM Sawant visits spot, orders inquiry

Goa Chief Minister Pramod Sawant, who visited the spot, said a majority of the dead are club's kitchen workers and three to four tourists are among those killed. Sawant said among the deceased, three succumbed to burn injuries while others died of suffocation.

"As per initial information, the nightclub had not complied with the fire safety norms. We will take action against the club management and also against the officials who allowed it to operate despite flouting safety norms. We will conduct a detailed inquiry into the incident and stringent action will be taken against the guilty," Sawant said.

I am closely reviewing the situation arising from the tragic fire incident at Arpora, in which 25 people have lost their lives and 6 have been injured. All six injured persons are in a stable condition and are receiving the best medical care. I have ordered a magisterial inquiry…

A senior police officer said, "A DJ had been scheduled to perform for patrons on the first floor around 10 pm. Around 11.45 pm, fire seems to have started on the first floor, which has a bar and a restaurant. In the ensuing panic and chaos, many guests ran towards the exit and reached safety. The staff members working in the basement were effectively trapped because it lacked an exit and was engulfed in smoke. Some guests also seem to have rushed towards the basement and got trapped."

Police checking compliance with fire safety norms

Goa Director General of Police Alok Kumar said, "The cause of the fire is yet to be ascertained. We are also checking if the club had complied with fire safety norms and whether they had the requisite fire safety NOC."

A relative of one of the deceased, who also works at the club, requesting anonymity, said, "I am a native of Siddharthnagar district in Uttar Pradesh. My relative was on shift when the fire broke out. I do not know where he is now. When I arrived for my shift, the club was already engulfed in flames."

Investigators are probing whether the fire was caused by a pyro sparkle gun, often used at parties and events, that came into contact with flammable material on the roof, which then spread the fire.

Govind Jaiswal, a security guard at the neighbouring resort, said he heard a loud explosion and saw a large blaze on the club's roof. "I heard people screaming in panic as they ran towards the gate," he said.

Calangute MLA Michael Lobo called for a fire safety audit of all the clubs to ensure such incidents are not repeated.

"Tourists have always considered Goa a very safe destination. The fire incident is quite disturbing, and such incidents should not happen in the future. The safety of tourists and the workers in these establishments is extremely important. Most people died due to suffocation as they ran towards the basement," Lobo said.

He added that the Calangute panchayat will issue notices to all nightclubs on Monday, asking them to provide fire safety permissions. Licences for clubs without the requisite permissions will be cancelled, he said.

Education Ministry team lands in crisis-hit Tezpur University – with a protest to welcome them

Guwahati | Tezpur University, Tezpur University

protest, Tezpur University protest flares, Sikkim University, Tezpur University Finance Officer joins Sikkim University, Indian express news, current affairsProtesters at Tezpur University have accused Vice-Chancellor Shambhu Nath Singh of financial irregularities and prolonged absences from the university, leading to "administrative stagnation", disrepair of campus infrastructure, and disruption of academic processes.

A team from the Union Ministry of Education, led by Acting UGC Chairperson and Higher Education Secretary Vineet Joshi, visited Tezpur University—where staff and students are agitating against the Vice-Chancellor—and was met with protests.

The visit by the Union Ministry of Education team comes amid a prolonged standoff at Tezpur University, where students and staff have been agitating for the removal of Vice-Chancellor Shambhu Nath Singh over allegations of financial irregularities, prolonged absence, and administrative paralysis.

Despite multiple inquiries and interim administrative changes, protesters say there has been no concrete resolution, prompting an escalation of the agitation and an indefinite shutdown threat.

The team met staff and student representatives, and representative bodies presented them with memoranda already submitted to the ministry reiterating their grievances and demands. However, after the meeting, which continued into the night, hundreds of students staged a sit-in on the road, raising slogans and blocking the MOE team's passage out of the university premises. As of 10:15 pm Saturday, the blockade was still ongoing.

This meeting took place after a series of events culminating in senior Tezpur University professor Dhruba Kumar Bhattacharyya "assuming charge" as acting vice-chancellor of the institute. VC Shambhu Nath Singh, who has not been on campus since protests began late September, convened an emergency Board of Management (BOM) meeting Thursday afternoon.

The meeting, attended only by external BOM members, resolved to appoint professor Joya Chakraborty as Pro-VC to take charge in his absence.

However, this was met with resistance from protesters, and Chakraborty reportedly communicated that she would not accept the position. Instead, the registrar communicated to the ministry that Bhattacharyya has assumed charge as Acting VC in the absence of both the VC and a Pro-VC.

Also Read | High drama at Tezpur University: Missing V-C calls online meeting, senior professor 'assumes charge' in his absence

A member of the Tezpur University Teachers' Association said the ministry team pushed for a Pro-VC to take charge and that the position be taken by Chakraborty as decided by the BOM.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।